www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 203 || अम्बेडकरनगर
गुरुवार
15 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:05
सूर्यास्तः 05:29
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 22°00


पेज 07

विशेष समाचार
छात्रः सपनों की उड़ान से... >> पेज 04
आजम खान पर एक और... >> पेज 06
इमरान हाशमी की फिल्म के सेट...

यूपी पंचायत चुनावः हाईकोर्ट का आदेश- निवर्तमान ग्राम प्रधान बने रहेंगे प्रशासक

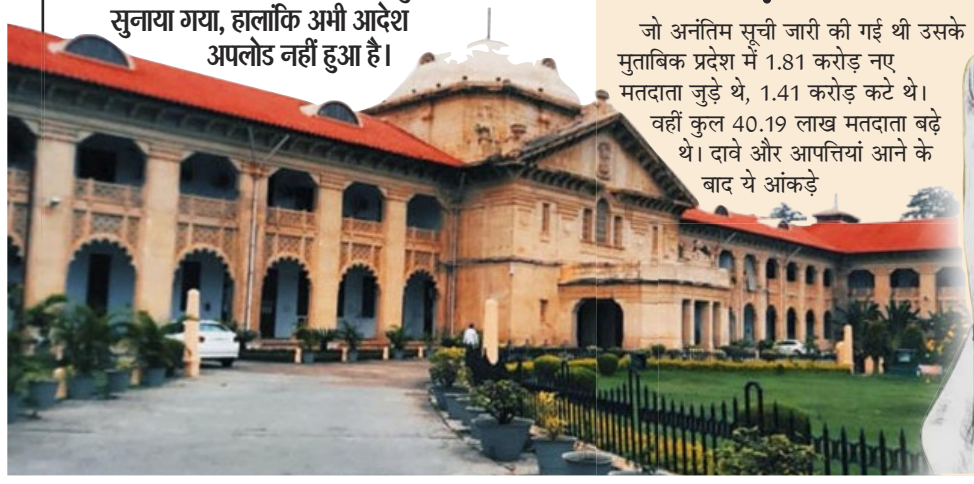
'तीन महीने में कराएं मतदान'

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

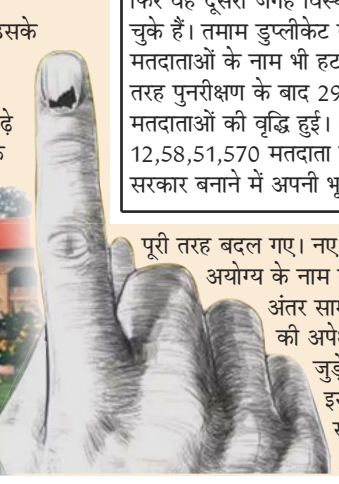
प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में आज बुधवार को ग्राम पंचायत चुनाव मामले की सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने मामले में आदेश दिया है कि तीन महीने में चुनाव कराना होगा। तब तक निवर्तमान ग्राम प्रधान प्रशासक बने रहेंगे। प्रयागराज के इम्तियाज हुसैन और अन्य ने समय पर चुनाव कराने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति जस्टिस अजीत कुमार और जस्टिस गरिमा प्रसाद की डिवीजन बेंच ने सभी दलीलें सुनीं। कोर्ट ने शाम 4:00 बजे फैसला सुनाया।

> आदेश के अनुसार, तीन माह के भीतर पंचायत चुनाव कराए जाएंगे। निवर्तमान ग्राम प्रधान प्रशासक के रूप में कार्य करते रहेंगे। फैसला खुली कोर्ट में सुनाया गया, हालांकि अभी आदेश अपलोड नहीं हुआ है।



अनंतिम सूची के बाद हुआ बड़ा बदलाव

जो अनंतिम सूची जारी की गई थी उसके मुताबिक प्रदेश में 1.81 करोड़ नए मतदाता जुड़े थे, 1.41 करोड़ कटे थे। वहीं कुल 40.19 लाख मतदाता बढ़े थे। दावे और आपत्तियां आने के बाद ये आंकड़े पूरी तरह बदल गए। नए मतदाता जुड़ने से लेकर, अयोग्य के नाम कटने और कुल बढोतरी में काफी अंतर सामने आया। अंतिम सूची में अनंतिम की अपेक्षा लगभग 51 लाख नए मतदाता जुड़े, करीब 62 लाख नाम कटे। इसलिए कुल बढ़े मतदाताओं की संख्या अनंतिम की अपेक्षा कम होकर 29 लाख पहुंच गई।



2.32 करोड़ जोड़े गए नाम

पंचायत चुनाव के मद्देनजर मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत 2,32,24,805 नए मतदाता जोड़े गए। 2,03,23,287 मतदाताओं के नाम काटे गए। जिन मतदाताओं के नाम काटे गए वह या तो मृतक हैं या फिर वह दूसरी जगह विस्थापित हो चुके हैं। तमाम डुप्लीकेट व फर्जी मतदाताओं के नाम भी हटाए गए हैं। इस तरह पुनरीक्षण के बाद 29,01,518 मतदाताओं की वृद्धि हुई। अब प्रदेश में कुल 12,58,51,570 मतदाता हैं, जो गांव की सरकार बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगे।



पंचायत चुनाव में देरी और निवर्तमान ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाए रखने का मामला अदालत में विचाराधीन था। अब तीन महीने के भीतर चुनाव कराने के निर्देश के बाद राज्य सरकार और निर्वाचन आयोग के सामने चुनाव प्रक्रिया समयसीमा में पूरी करने की चुनौती होगी। विस्तृत आदेश अपलोड होने के बाद फैसले की अन्य शर्तें और निर्देश स्पष्ट हो सकेंगे।

11.40 लाख रेलवे कर्मचारियों को 78 दिन का दिवाली बोनस

3 पेंशन योजनाओं से इंदिरा गांधी नाम हटा, दिव्यांगों को अब जन्म से पेंशन

मंजूरी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने दिवाली से पहले रेलवे के करीब 11.40 लाख कर्मचारियों को 78 दिन का बोनस देने की मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक, इस पर करीब 2,009 करोड़ खर्च होंगे। बुधवार को कैबिनेट बैठक में यह फैसला लिया गया। इसके अलावा, सरकार ने तीन पेंशन योजनाओं से इंदिरा गांधी का नाम हटाकर उनमें प्रधानमंत्री शब्द जोड़ने का फैसला किया है। दिव्यांगों की पेंशन नियमों में भी बदलाव को मंजूरी दी गई है। इसके तहत अब दिव्यांगों को 18 साल की बजाय जन्म से पेंशन मिलेगी। कैबिनेट ने राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम को अगले पांच साल तक जारी रखने का फैसला भी लिया है।

यह अधिकतम गणना की रकम है।

>> (शेष पेज 06 पर)



> रेलवे कर्मचारियों को मिलने वाले प्रोडक्टिविटी लिंक्ड बोनस की गणना के लिए अधिकतम मासिक वेतन सीमा 7,000 तय की गई है। इस आधार पर 78 दिन के बोनस की अधिकतम रकम 17,951 बनती है।

प्रेमी साहिल को भी फांसी ■ मेरठ कोर्ट में बोली- मेरी बच्चियों का ध्यान रखना

पति को मारकर नीले-ड्रम में भरने वाली मुस्कान को सजा-ए-मौत

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में प्रेमी के साथ मिलकर पति सौरभ राजपूत की हत्या करने वाली मुस्कान को फांसी की सजा सुनाई गई। उसके प्रेमी साहिल को भी कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई।

सजा सुनाते हुए जज ने कहा- अधर्म के काम पर सजा देना धर्म होता है। मुस्कान-साहिल आप दोनों ने ही सौरभ की नृशंस हत्या की है। इसलिए माफी स्वीकार नहीं होगी।

>> (शेष पेज 06 पर)



> मेरठ के एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने बताया- मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल ने सौरभ को मार दिया था। जितने भी लोगों ने इस केस में अच्छा काम किया है, सब लोग प्रशंसा के पात्र हैं। इनको प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार दिया जाएगा।



सरकारी वकील ने बताया फांसी की सजा का पूरा प्रॉसेस

डीजीसी (जिला शासकीय अधिवक्ता) केके चौबे ने बताया- जजमेंट को करीब एक सप्ताह बाद हाईकोर्ट में कन्फर्मेशन के लिए भेजा जाएगा। हाईकोर्ट अगर फांसी की सजा को कन्फर्म कर देती है, तो यह फाइल सुप्रीम कोर्ट जाएगी। वहां से फांसी कन्फर्म होगी। सुप्रीम कोर्ट से कंफर्म के बाद राष्ट्रपति के पास फाइल जाएगी। >> (शेष पेज 06 पर)

कौन हैं फांसी की सजा देने वाले जज

मुस्कान-साहिल को फांसी की सजा सुनाने वाले मेरठ के जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार मिश्रा-II का जन्म 2 जुलाई 1971 को मऊ में हुआ था। उन्होंने बीए, एलएलबी और एलएलएम की पढ़ाई की है। इसके बाद 31 मई, 2003 को न्यायिक सेवा में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के रूप में करियर शुरू किया। करीब 23 साल के न्यायिक अनुभव के दौरान गाजीपुर, अलीगढ़, गोरखपुर, कानपुर और मिर्जापुर समेत कई जिलों में तैनात रहे। नवंबर, 2024 में मिर्जापुर के जिला एवं सत्र न्यायाधीश बने। 21 मई, 2026 से मेरठ में तैनात हैं।

फास्ट न्यूज

कोलकाता की सड़कों पर इंद्रधनुषी रंग

कोलकाता। दुर्गा पूजा से पहले कोलकाता की सड़कों और फ्लाईओवर को लाल, नीले, पीले सहित अन्य इंद्रधनुषी रंगों से सजाया गया है। इसी बीच, बारिश के बाद रंगीन सड़क पर बाइकर्स के फिसलने के वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं।

अलर्ट संकट

15 दिनों से बाढ़, 5 लाख लोग प्रभावित

नई दिल्ली। लखनऊ में 15 दिनों से बाढ़ के हालात बने हुए हैं। 5 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। सबसे ज्यादा परेशानी फैजुल्लागंज में है। यहां 50 से 60 हजार से अधिक घर आधे से ज्यादा पानी में डूबे हैं। कुछ इलाकों में जलस्तर घटा है, लेकिन लोगों की मुश्किलें कम नहीं हुई हैं। सड़कों पर नाव चल रही हैं। राजस्थान में आज एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होगा, जिसके असर से 16 अक्टूबर तक राज्य के उत्तर-पूर्वी जिलों में आंधी-बारिश के साथ कहीं-कहीं ओले गिर सकते हैं। मौसम विभाग ने 14 अक्टूबर को 5 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली के रेस्टोरेंट में आग, खिड़की से कूदकर जान बचाई

नई दिल्ली। दिल्ली के मौजपुर इलाके में मंगलवार रात करीब 10:34 बजे उधम रेस्टोरेंट के किचन में आग लग गई। आग लगते ही कुछ लोग जान बचाने के लिए पहली मंजिल की खिड़की से कूदने लगे। घटना के वीडियो के सामने आए हैं। इनमें लोग अपने बच्चों को भी पहली मंजिल से नीचे फेंकते दिखाई दे रहे हैं।

योगी बोले-चचाजान और धन्नासेठ को राज्यसभा भेजा, यही सपा का असली पीडीए

अखिलेश ने मुसलमान भाई को टिकट नहीं दिया : योगी



कार्यक्रम

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, वाराणसी, लखनऊ। योगी ने राज्यसभा चुनाव के टिकट बंटवारे को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव से सवाल किए। उन्होंने कहा- एक टिकट अपने चाचा जान रामगोपाल यादव को दिया और दूसरा मुंबई के धन्नासेठ को बेच दिया। सपा प्रमुख एक टिकट काशी के ही किसी यादव को दे देते। गाजीपुर, बलिया से किसी को बना देते। दूसरी सीट पर किसी दलित को भेज देते, नहीं बनाया। अपने खानदानी वोटर मुसलमानों को ही बना देते। वो भी तो नहीं बनाया। मैं समाजवादियों से पूछना चाहता हूं, ये जो PDA-PDA चिल्लाते हैं, राज्यसभा के टिकट में वो PDA कहां चला गया? योगी ने कहा कि यूपी में अभी हाल ही में राज्यसभा का चुनाव हुआ। आपने देखा होगा 10 सीट थी। आठ सीट भाजपा जीतती है, सपा के पक्ष में 2 सीट रही। >> (शेष पेज 06 पर)



> योगी बुधवार दोपहर संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में शिक्षक और स्नातक महासम्मेलन में शामिल होने वाराणसी पहुंचे थे। ये कार्यक्रम विधान परिषद के शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रखा गया।

सपा पर भरोसा करना मगरमच्छ से नदी पार कराने जैसा

योगी ने सपा पर वादों से मुकरने का आरोप लगाते हुए कहा कि उस पर विश्वास करना मगरमच्छ से नदी पार कराने की उम्मीद करने जैसा है। मगरमच्छ नदी के बीच में ले जाकर क्या करेगा, यह सभी जानते हैं। उन्होंने सपा नेताओं पर बार-बार रंग बदलने का आरोप लगाते हुए कहा कि इन्हें देखकर गिरगिट भी खुश होता होगा कि मनुष्य में उसकी जाति का कोई पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि सपा को प्रदेश की नहीं, केवल अपने परिवार की चिंता रही है। समाज में भेदभाव और बंटवारा पैदा करने वाली राजनीति से सावधान रहना चाहिए।

तमिलनाडु सरकार लोगों को दुश्मन समझ रही : हाईकोर्ट

पुलिस से पूछा- आरएसएस मार्च को जम्मू-कश्मीर में भी परमिशन

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई । मद्रास हाईकोर्ट ने बुधवार को तमिलनाडु पुलिस से RSS के रूट मार्च को अनुमति नहीं देने पर सवाल किया। कोर्ट ने पूछा कि जम्मू-कश्मीर में RSS मार्च कर सकता है, तो तमिलनाडु पुलिस हर साल अनुमति क्यों रोकती है?

जस्टिस वी लक्ष्मीनारायणन ने कहा कि सरकार नागरिकों को दुश्मन समझ रही है और विरोध प्रदर्शनों के लिए परमिशन देने से इनकार कर रही है। चाहे कोई भी सरकार आए, RSS को उसके मार्च के लिए अनुमति नहीं दी जाती है। आपका डर क्या है? क्या आप डर रहे हैं? यह टिप्पणी RSS सदस्य वीजी जगदीशन की याचिका पर सुनवाई के दौरान हुई। उन्होंने 18 अक्टूबर, 25 अक्टूबर, 1 नवंबर या दूसरी किसी तारीख को मार्च की अनुमति मांगी है। जस्टिस ने कहा कि RSS का स्थापना दिवस दशहरा के दिन है। वे उस दिन रूट मार्च निकालना चाहते हैं। इसमें क्या गलत है? संघ अपना स्थापना दिवस हर साल दशहरा के दिन मनाता है।

>> (शेष पेज 06 पर)



> सरकार बोली- मार्च के लिए पुलिस तैनात करनी होगी

ऐलान : दीपके बोले- जेल में डाल दो, परवाह नहीं, सौरव-आशुतोष 5 दिन के लिए तिहाड़ भेजे गए

कॉकरोच पार्टी 16 अक्टूबर को दिल्ली में प्रदर्शन करेगी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके ने 16 अक्टूबर को प्रदर्शन का ऐलान किया। दीपके ने बुधवार को वीडियो मैसेज जारी कर कहा कि, सभी लोग 16 अक्टूबर को शाम 5 बजे तिरंगा लेकर कनॉट प्लेस पहुंचे। ये लोग मुझे भी जेल में डाल सकते हैं लेकिन मुझे परवाह नहीं।

दीपके बुधवार दोपहर दिल्ली पहुंचे थे। एयरपोर्ट से बाहर निकलते समय भीड़ उन पर चिल्लाने लगी। एक पैसेंजर ने कहा- क्यों देश को खराब कर रहा भाई। इस पर दीपके ने बस थम्स अप का इशारा किया और चुपचाप चले गए। उधर सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका और सौरव दास को दिल्ली की स्पेशल कोर्ट ने 5 दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया है। इन्हें मंगलवार सुबह जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया गया था। CJP ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर और SIR के विरोध में 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन बुलाया था। पुलिस ने CJP फाउंडर अभिजीत दीपके, प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका को दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट से ही हिरासत में लिया था। >> (शेष पेज 06 पर)



हिरासत से छूटने के बाद CJP नेताओं ने थंब्स अप का इशारा किया था।

> कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे- गृह मंत्री द्वारा एसआईआर में बाहर 13.3 करोड़ भारतीयों को घुसपैठिया घोषित करना भारतीयता का अपमान है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बावजूद, जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थल से हटाकर पहले वोट चोरी फिर विरोध करने के अधिकार की चोरी भाजपाई तानाशाही का प्रमाण है।



> अगर सरकार देश में इमरजेंसी लगाना चाहती है तो खुलकर आधिकारिक तौर पर लगाए। यह अघोषित इमरजेंसी क्यों? : सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके

तिरंगा फहराना जुर्म नहीं, प्रतिक्रियाएं

राहुल गांधी- जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण विरोध में तिरंगा लहराना जुर्म नहीं है। इसके लिए युवाओं को जेल भेजना कायरता है। स्टूडेंट्स, युवा, पत्रकार, इंडिया ब्लॉक। अलग-अलग बैनर, एक मकसद। सभी विरोध एक हैं।

>> (06 पर)

राहुल यूथ प्रोटेस्टर्स को साथ लाए पुलिस पर लगाए आरोप

युवक ने कहा- गुंडों के कहने पर हिरासत में लिया

मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । SIR के खिलाफ दिल्ली में प्रदर्शन करने वाले छात्रों ने बुधवार को राहुल गांधी से मुलाकात की। राहुल ने सभी के साथ मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जिसमें छात्रों ने दिल्ली पुलिस पर मारपीट और हिरासत में ज्यादती करने के आरोप लगाए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में NSUI के छात्र, कार्यकर्ताओं और कंटेंट क्रिएटर्स ने अपने साथ घटनाएं बताईं। एक छात्रा ने प्राइवेट पार्ट पर लात मारने का आरोप लगाया, जबकि दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्रा अदिरा ने दावा किया कि पुलिस की पिटाई से उसके एक कान से सुनने की क्षमता चली गई। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने आरोप लगाया कि पुलिस RSS और भाजपा से जुड़े लोगों के कहने पर प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले रही थी।

>> (शेष पेज 06 पर)



> कांग्रेस समेत विपक्ष एक अक्टूबर से लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। अब तक 5 प्रदर्शन किए जा चुके हैं।

दिल्ली के रेस्टोरेंट में आग, खिड़की से कूदकर जान बचाई

नई दिल्ली। दिल्ली के मौजपुर इलाके में मंगलवार रात करीब 10:34 बजे उधम रेस्टोरेंट के किचन में आग लग गई। आग लगते ही कुछ लोग जान बचाने के लिए पहली मंजिल की खिड़की से कूदने लगे। घटना के वीडियो के सामने आए हैं। इनमें लोग अपने बच्चों को भी पहली मंजिल से नीचे फेंकते दिखाई दे रहे हैं।

स्मृति ईरानी ने पीठ थपथपाई, कहा-कांग्रेस युवराज को शहंशाह नहीं बना पाएगी

सपा के 3 बागी विधायकों ने भाजपा जॉइन की

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

अमेठी जिला । समाजवादी पार्टी के तीन बागी विधायक राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह और विनोद चतुर्वेदी बुधवार को भाजपा में शामिल हो गए। अमेठी में आयोजित सदस्यता ग्रहण समारोह में तीनों ने भाजपा के टोल फ्री नंबर डायल कर पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ली। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति ईरानी की मौजूदगी में तीनों विधायकों को पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत किया। राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा- तुम चाहे जितने भी दलों को इकट्ठा कर अपने राजकुमार को शहंशाह बनाने की कोशिश कर लो, लेकिन उत्तर प्रदेश का सच यह है कि कांग्रेस लगातार 9 विधानसभा चुनाव हारती आ रही है। अमेठी इस बात की साक्षी है कि कांग्रेस का वह परिवार अपने दम पर इस क्षेत्र में चुनाव नहीं लड़ सकता तो अपने दम पर राष्ट्र का नेतृत्व कैसे कर सकता है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा- सपा के मुखिया को सत्ता के लिए इतना नहीं गिरना चाहिए। अखिलेश यादव ने पहले अपने पिता और चाचा का अपमान किया। अब उत्तर प्रदेश का अपमान कर रहे। वह कह रहे कि दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान यूपी के युवकों ने मारा पीटा। जनता इस बार उनको सबक सिखाएगी।



प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भाजपा का पटका पहनाकर अभय सिंह का स्वागत किया।

देश का अपमान करने वाले संविधान की दुहाई दे रहे- प्रदेश अध्यक्ष

विपक्ष के चुनाव आयोग पर लगाए जा रहे आरोपों पर बचाव करते हुए पंकज चौधरी ने कहा कि जो संविधान की दुहाई दे रहे, वे ऐसे लोग हैं जो समय-समय पर विदेशों में देश का अपमान करते हैं, सेना पर सवाल करते रहे हैं।

कहा- देश की राजधानी को वे लोग कुरुक्षेत्र बनाना चाहते हैं। देश में अराजकता फैलाना चाहते हैं। चुनाव में मिले जनादेश को चोरी बता रहे। इनके लिए न लोकतंत्र है न ही संविधान है। डबल इंजन की सरकार दिनरात देश की सेवा कर रही है।

अमेठी और रायबरेली में लिए डबल इंजन सरकार ने खजाना खोला- पंकज चौधरी

अमेठी में स्मृति ईरानी ने जो काम किया, उसे गांधी परिवार कभी कर नहीं पाया। देश के मुखिया के जिले में खाद का एक रैक तक नहीं था। स्मृति ईरानी ने यहां वह दिया। डबल इंजन की सरकार में काम पूरे स्पीड से हो रहा। अमेठी और रायबरेली में भी हमारे मुखिया मोदी जी, योगी ने खजाना खोल दिया है। लेकिन इसके पहले इसे एटीएम बना दिया गया था। एटीएम यानी अमेठी तुम मतदान करो, हम कुछ नहीं करेंगे।



2024 में सपा के 7 विधायकों ने की थी क्रॉस वोटिंग

फरवरी 2024 में यूपी में हुए राज्यसभा चुनाव के दौरान सपा के सात विधायकों ने पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान किया था। इससे सपा को बड़ा झटका लगा था और उसका तीसरा प्रत्याशी चुनाव हार गया था। वहीं, भाजपा के सभी आठ प्रत्याशी जीत गए थे।



सपा के 7 विधायकों ने राज्यसभा चुनाव में की थी बगावत

दरअसल, फरवरी 2024 में हुए राज्यसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के 7 विधायकों मनोज पांडेय, पूजा पाल, राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह, विनोद चतुर्वेदी, राकेश पांडेय और आशुतोश मौर्य ने बगावत कर दी थी। तीनों विधायकों ने 2022 का विधानसभा चुनाव सपा के टिकट पर जीता था। लेकिन पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर भाजपा के प्रत्याशी के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की थी।

> **पंकज चौधरी ने कहा- अमेठी और रायबरेली किसी की जागीर नहीं है। दशकों से सत्ता में रहे लोगों ने इस रसातल में भेजा। अब उनको रसातल में भेजने का समय आ गया है। चाहें वह सपा हो, कांग्रेस हो, सबको रसातल में भेजने का समय आ गया है।**

फास्ट न्यूज

बाराबंकी में खो-खो प्रतियोगिता

बाराबंकी । बाराबंकी के पुलिस लाइन मैदान में बुधवार को राज्यस्तरीय खो-खो चयन प्रतियोगिता हुई। इसमें कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों की छात्राओं ने हिस्सा लिया। अंडर-14 में मुरादाबाद मंडल विजेता बना, जबकि अंडर-17 और अंडर-19 दोनों वर्गों में लखनऊ मंडल ने खिताब जीते। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पाठक ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

बकाया भुगतान के लिए पानी की टंकी पर चढ़ा ठेकेदार

बाराबंकी । बाराबंकी में बुधवार दोपहर करीब 2 बजे बकाया भुगतान की मांग को लेकर एक ठेकेदार पानी की टंकी पर चढ़ गया। ठेकेदार कमलेश शर्मा ने शक्ति इंफ्रा प्रेजेंट्स प्राइवेट लिमिटेड पर भुगतान नहीं करने का आरोप लगाते हुए वीडियो बनाया।

उन्होंने चेतावनी दी कि पैसा नहीं मिला तो वह टंकी से कूदकर जान दे देंगे। सूचना पर असंद्रा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति संभालने में जुट गई। मामला बनीकोडर ब्लॉक स्थित घटमापुर गांव का है।

मेहनत से बनाया घर, भाभी ने किया कब्जा

बाराबंकी । बाराबंकी के मकनपुर गांव में 60 वर्षीय सियाराम ने आरोप लगाया है कि उनकी बड़ी भाभी ने उनके मकान पर कब्जा कर लिया है। यह घर उन्होंने अपनी मेहनत से बनाया था और उनके पास मकान के सभी कागजात व खतौनी हैं। इस विवाद को सुलझाने के लिए सियाराम ने कई अधिकारियों से गुहार लगाई है। उन्होंने स्थानीय पुलिस चौकी से लेकर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक शिकायतें दी हैं, पर अब तक कोई राहत नहीं मिली है।

चार साल से कायम है आस्था की अनूठी परंपरा

किसान सत्येंद्र कुमार की पहल बन रही गांव की पहचान

तमसा संकेत, संवाददाता



सूरतगंज (बाराबंकी)। मन में सच्ची श्रद्धा हो और कुछ कर गुजरने का जज्बा, तो संसाधनों की कमी भी रास्ता नहीं रोक सकती। इसी सोच को साकार कर रहा है बाराबंकी जिले के सूरतगंज ब्लॉक क्षेत्र का हरसौली गांव, जहां पिछले चार वर्षों से एक किसान जो साथ में पेंटर का भी काम करता है जो अपने हाथों से मां दुर्गा की प्रतिमा बनाकर पंडाल में विराजमान करते हैं। इसके बाद गांव के लोग एकजुट होकर मां भगवती की पूजा-अर्चना करते हैं और जागरण के माध्यम से माता रानी का गुणगान करते हैं। ग्रामीणों की यह पहल आस्था, आत्मनिर्भरता और आपसी सहयोग की अनूठी मिसाल पेश कर रही है। हरसौली गांव निवासी किसान सत्येंद्र कुमार के मन में मां दुर्गा के प्रति गहरी आस्था है। नवरात्र के दौरान जब वह आसपास के गांवों में मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित होते और श्रद्धालुओं को भक्ति भाव से पूजा-अर्चना करते देखते थे, तो उनके मन में भी अपने गांव में मां भगवती का दरबार सजाने की इच्छा जाग उठती थी। लेकिन प्रतिमा खरीदने के लिए पर्याप्त धन की व्यवस्था करना आसान नहीं था। ऐसे में उन्होंने अपनी इच्छा को अधूरा छोड़ने के बजाय एक अलग रास्ता चुना। सत्येंद्र कुमार ने मन ही मन सोचा कि जब मां के प्रति श्रद्धा है, तो आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण पूजा क्यों रोकी जाए? क्यों न अपने हाथों से ही मां दुर्गा की प्रतिमा तैयार की जाए और उसी प्रतिमा को पंडाल में स्थापित कर विधि-विधान से आराधना की जाए।

मंदिर प्रशासन बोला- ऐसा कुछ भी नहीं, बंदरों की उछल-कूद से कलश टूटा

काशी विश्वनाथ से सोना गायब होने की पीएमओ में शिकायत

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । काशी विश्वनाथ मंदिर के स्वर्ण शिखर से सोना गायब होने का मामला सामने आया है। वकील नित्यानंद राय ने इसकी शिकायत प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) में की है। मंदिर कार्यपालक समिति के अध्यक्ष और वाराणसी कमिश्नर एस. राजलिंगम ने आरोप को गलत बताया। उन्होंने कहा कि एक छोटा स्वर्ण कलश बंदरों की उछल-कूद के दौरान गिर गया था। मुख्यमंत्री कार्यालय के निर्देश पर मंदिर प्रशासन भी मामले की आंतरिक जांच कर रहा है। स्वर्ण शिखर की मजबूती का आकलन और मरम्मत के लिए IIT मद्रास से संपर्क किया गया है। इसकी रिपोर्ट और आकलन के बाद कलश को दोबारा स्थापित कराया जाएगा।



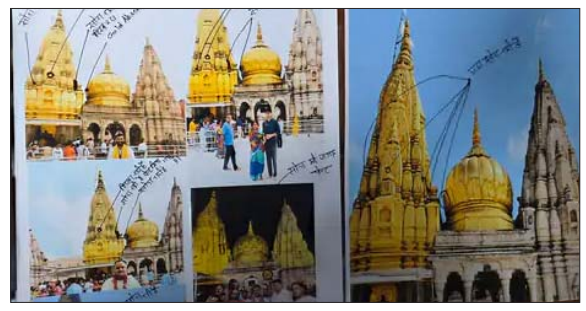
मंदिर प्रशासन ने रिपोर्ट में बताया- उत्तरी द्वार के ऊपर लगा एक स्वर्ण कलश हाल के दिनों में बंदरों की उछल-कूद के दौरान गिर गया था। उसे भंडारगृह में सुरक्षित रखा गया है। तकनीकी परीक्षण के बिना कलश को दोबारा स्थापित करना उचित नहीं होगा।

इसी वजह से IIT मद्रास से संपर्क किया गया। संस्थान की टीम स्वर्ण शिखर का प्राथमिक सर्वे कर चुकी है और उसने पूरे शिखर की मरम्मत कराने की संस्तुति दी है। मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने कहा- मंदिर के स्वर्ण शिखर से सोना गायब होने की जानकारी गलत है।

2 जगहों से गायब हुआ स्वर्ण कलश

तेलियाबाग के रहने वाले वकील नित्यानंद राय ने 29 सितंबर को मंडलायुक्त के साथ प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री कार्यालय को शिकायत भेजी थी। उन्होंने मंदिर के उत्तरी द्वार के ऊपर दो स्थानों से स्वर्ण कलश गायब होने का दावा किया है।

नित्यानंद राय के मुताबिक, सोना गायब होने के मामले में मंदिर प्रशासन से जानकारी मांगी थी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने मंदिर की वेबसाइट पर भी स्वर्ण शिखर से सोना हटाए जाने से संबंधित जानकारी उपलब्ध न होने की बात कही।



यह तस्वीर रिपोर्ट में लगाई गई है।

वकील बोले- मंदिर के सोने-चांदी की जानकारी सार्वजनिक हो

नित्यानंद राय ने शिकायत में मंदिर में पहले हुई सोने-चांदी की चोरी की घटनाओं का जिक्र किया है। उन्होंने जांच कराने के साथ मंदिर परिसर में सोने-चांदी के इस्तेमाल का विस्तृत विवरण सार्वजनिक करने की मांग की है। शिकायतकर्ता ने इसके लिए श्वेतपत्र जारी करने और उसकी जानकारी मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराने की बात कही है। उनका कहना है कि इससे स्वर्ण शिखर की स्थिति और धातुओं की सुरक्षा को लेकर स्पष्टता आएगी।

सुसाइड की आशंका, पुलिस अफसर बोले- गलती से गोली चली, वाराणसी के रहने वाले थे

पुलिस लाइन में गोली लगने से सिपाही की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज पुलिस लाइन में बुधवार दोपहर 2011 बैच के हेड कॉन्स्टेबल अजय मौर्या की गोली लगने से मौत हो गई। वह न्यायिक अधिकारी की सुरक्षा में तैनात थे और पुलिस लाइन स्थित सरकारी क्वार्टर में परिवार के साथ रहते थे। सूचना मिलते ही एडिशनल सीपी (एलओ) समेत तमाम आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। अजय को SRN अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अजय मौर्या मूल रूप से वाराणसी के चोलापुर के रहने वाले थे। एसीपी विवेक यादव ने बताया कि सरकारी शस्त्र से अचानक दुर्घटना के तहत गोली चली है। प्रयागराज पुलिस लाइन में तैनात 2011 बैच के हेड कॉन्स्टेबल अजय कुमार मौर्य की बुधवार दोपहर सरकारी क्वार्टर में गोली लगने से मौत हो गई। गोली



अजय मौर्या, मृतक

उनकी गर्दन के दाहिने हिस्से में लगी, जिससे वह मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़े। उन्हें तत्काल स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला सरकारी असलहे से अचानक गोली चलने का हादसा प्रतीत हो रहा है। हालांकि घटना को लेकर आत्महत्या और घरेलू विवाद जैसी चर्चाएं भी सामने आ रही हैं। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। घटना की जानकारी मिलने पर डीसीपी सिटी सागर जैन और एसीपी कर्नलगंज ने मौके का निरीक्षण किया। डीसीपी सिटी सागर जैन ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है। सरकारी असलहे से अचानक गोली चलने की बात सामने आई है। हालांकि पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हालांकि पुलिस इसे हादसा मानकर जांच आगे बढ़ा रही है, लेकिन घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं भी हैं। स्थानीय स्तर पर एक चर्चा यह भी है कि दोपहर में घर लौटने के बाद अजय कुमार मौर्य का किसी बात को लेकर पत्नी से विवाद हुआ था।

> **घटना की सूचना मिलते ही आरआई विनोद कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। कर्नलगंज पुलिस भी तुरंत पहुंच गई। आनन-फानन में एंबुलेंस से अजय कुमार मौर्य को एसआरएन अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।**

पत्नी ने बताया कैसे हुई घटना

पुलिस पूछताछ में अजय कुमार मौर्य की पत्नी ने बताया- वह रोज की तरह बुधवार को ड्यूटी पर गए थे। दोपहर में घर लौटने के बाद वह अपना सरकारी शस्त्र रख रहे थे। इसी दौरान अचानक गोली चल गई, जो उनकी गर्दन में जा लगी। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर पड़े। पत्नी के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।



मौके पर कई थानों की फोर्स और पुलिस अफसर पहुंचे हैं।

वाराणसी में प्रतिबंध के बावजूद बिक रहा था मांस

नगर निगम की छापेमारी, दुकानदार पर 5 हजार जुर्माना

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में शारदीय नवरात्र और भारतीय वायुसेना के एरियल डिस्प्ले-2026 को देखते हुए नगर निगम ने मांस-मछली की बिक्री पर सख्ती बढ़ा दी है। शहर में 26 अक्टूबर तक मांस, मछली और मुर्गे की दुकानें बंद रखने का आदेश है। मंगलवार रात सप्तसागर इलाके में एक दुकान खुली मिलने पर टीम ने दुकानदार का 5 हजार रुपए का चालान काट दिया।

नगर निगम ने नमो घाट पर होने वाले एयर शो के दौरान लड़ाकू विमानों की सुरक्षित उड़ान के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। 19 से 26 अक्टूबर तक नमो घाट के आसपास 20 से 30 किलोमीटर के दायरे में मांस-मछली की बिक्री, कटाई और खुले में परिवहन पर रोक लगाई गई है। गंगा घाटों के आसपास पतंग उड़ाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। मंगलवार को नगर निगम की प्रवर्तन टीमों ने शहर के अलग-अलग इलाकों में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सप्तसागर क्षेत्र में एक मांस की दुकान खुली मिली। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दुकानदार पर 5 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। दुकानदार को चेतावनी दी गई कि दोबारा नियम तोड़ने पर दुकान सील करने के साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. विजय अमृतराज ने बताया कि निरीक्षण के दौरान ज्यादातर दुकानें बंद मिलीं। जहां नियमों का उल्लंघन मिला, वहां कार्रवाई की गई।



अरेस्ट : पशुधन विभाग में भर्ती घोटाले पर एक्शन, 2014 में सपा सरकार में हुई थी भर्ती

यूपी में रिटायर्ड प्रमुख सचिव गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में रिटायर्ड IAS अधिकारी योगेश कुमार को आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार सुबह ईओडब्लयू ने उन्हें गोमती नगर स्थित घर से गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई 12 साले पुराने पशुधन विभाग भर्ती घोटाले में की गई है।

2014 में सपा सरकार के दौरान पशुधन विभाग में 1198 पशुधन प्रसार अधिकारी पदों पर भर्ती हुई थी। उस वक्त योगेश कुमार विभाग में प्रमुख सचिव थे। इसके बाद वे रिटायर हो गए। भर्ती में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी के आरोप लगे थे। जांच में पता चला कि भर्ती में OMR शीट की जांच एक ही जगह कराई गई, जिससे नंबरों में हेरफेर किया जा सके। सूत्रों के मुताबिक, योगेश



योगेश कुमार, आईएएस-1980 बैच

कुमार ने गलत तरीके से भर्ती के लिए नियमों में फेरबदल किया। उन्होंने मंडल यानी कमिश्नर को मिलने वाले अधिकार को खत्म कर दिया। योगेश कुमार की गिरफ्तारी यूपी में ब्यूरोक्रेट्स में अब तक की दूसरी सबसे बड़ी गिरफ्तारी है। इससे पहले 2007 यानी 19 साल पहले मायावती सरकार में मुख्य सचिव रह चुके अखंड प्रताप सिंह को सीबीआई ने आय से अधिक संपत्ति मामले में गिरफ्तार किया था। 2023 में उनका निधन हो गया था। सहारनपुर को छोड़कर प्रदेश के 17 मंडलों में 1198 पदों पर पशुधन प्रसार अधिकारी की भर्ती हुई थी। परीक्षा 2 फरवरी 2014 को हुई। इसमें 1005 अभ्यर्थियों का चयन हुआ। उन्हें ट्रेनिंग दी गई। जॉइन करवाया गया। भर्ती के बाद 34 अभ्यर्थियों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर कीं। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू में गड़बड़ी के आरोप लगाए। लिखित परीक्षा के लिए 80 और इंटरव्यू के लिए 20 नंबर तय थे। आरोप था कि इंटरव्यू में दिए गए नंबरों के जरिए कुछ अपात्र अभ्यर्थियों को फायदा पहुंचाया गया। भर्ती नियमों का उल्लंघन किया गया। हाईकोर्ट के आदेश पर 17 दिसंबर 2017 को जांच SIT को सौंपी गई। 2018 में एसआईटी ने जांच पूरी कर रिपोर्ट शासन को सौंपी। रिपोर्ट में कई अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की सिफारिश की गई।



भर्ती के समय राजकिशोर सिंह सपा में थे। वह प्रदेश के पशुधन मंत्री थे। 2024 में सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे।

> **डीजी ईओडब्ल्यू जय नारायण सिंह ने कहा-पशुधन भर्ती घोटाले में योगेश कुमार के खिलाफ सबूत मिले हैं। वह जांच में दोषी पाए गए हैं। इसलिए, उनकी गिरफ्तारी की गई।**

वाराणसी में एसआईआर के खिलाफ साझा संस्कृति मंच का प्रदर्शन

कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन, डीएम के जरिए राष्ट्रपति को भेजा मांग पत्र

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी रखने और नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए वाराणसी में एक बड़ा कदम उठाया गया है। साझा संस्कृति मंच ने भारतीय निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) और सूची से पात्र नागरिकों के नाम काटे जाने को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

मंच की ओर से देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम एक पांच सूत्री मांग-पत्र डीएम कार्यालय पर सौंपा गया। इसके पहले साझा संस्कृति मंच के सदस्यों ने जिला मुख्यालय पर जमकर प्रदर्शन और नारेबाजी किया। साझा संस्कृति मंच की पदाधिकारी जागृति राही ने कहा - किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में



मतदाता सूची में नाम दर्ज होना प्रत्येक नागरिक का सबसे बुनियादी अधिकार है। इसी अधिकार के माध्यम से जनता सरकार चुनने की प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करती है। लेकिन, हाल ही में अपनाई गई विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया के दौरान जिस तरह से बड़े पैमाने पर लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उसने प्रशासनिक निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस दौरान मौजूद धनंजय ने जोर देकर कहा है कि यदि किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से हटाया जाता है, तो उसे इसकी पूर्व सूचना देना और अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर देना प्राकृतिक न्याय और लोकतांत्रिक व्यवस्था की अनिवार्य शर्त है। बिना किसी ठोस आधार और सूचना के नाम काटना पूरी प्रक्रिया को संदिग्ध बनाता है।

निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता और निष्पक्षता को बहाल करने के लिए वर्तमान मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग की गई है, ताकि आयोग की जवाबदेही नए सिरे से तय हो सके। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की मौजूदा प्रक्रिया को तुरंत रद्द किया जाए।

एकलव्य स्टेडियम में तीन दिवसीय जनपदीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता शुरू

800 मीटर दौड़ में सूरज ने मारी बाजी 600 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम



प्रतियोगिता

बृजेंद्र वीर सिंह



जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल में हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण प्रतिभाग करना है। खिलाड़ियों को मेहनत और अनुशासन के साथ खेलना चाहिए।

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम में बुधवार को माध्यमिक विद्यालयों की तीन दिवसीय जनपदीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आगाज हुआ। पहले दिन 800 मीटर सीनियर बालक वर्ग की दौड़ में कटेहरी के सूरज ने पहला स्थान हासिल किया। नेवादा के मोहम्मद फारुख दूसरे और अकबरपुर के राजन तीसरे स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में जिले के 10 जोन से 600 से अधिक बालक-बालिका खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। चित बहाल आदर्श बालिका इंटर कॉलेज, पूरनपुर की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इसके बाद 10 जोन के खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट किया। जिलाधिकारी ने सलामी ली और जनपद का ध्वज फहराया। उन्होंने रंगीन गुब्बारे भी छोड़े। खिलाड़ियों ने खेल भावना और सद्भावना के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की शपथ ली। पिछले वर्ष के चैंपियन धावक आजम ने मशाल लेकर ट्रैक का चक्कर लगाया। जिला विद्यालय निरीक्षक कौस्तुभ कुमार सिंह ने उनका स्वागत किया। प्रतियोगिता के संयोजक और राजकीय इंटर कॉलेज अकबरपुर के प्रधानाचार्य हरेंद्र प्रताप यादव ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर जिला क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मंजूर आलम अंसारी, प्रधानाचार्य डॉ. जय चन्द, नीलम यादव, डॉ. तारा वर्मा, अरुण सिंह, कप्तान सिंह, विपिन बिहारी सिंह, उमेश पांडेय, शारीरिक शिक्षक वीरेश कुमार, ओमवीर वर्मा, प्रबुद्ध सिंह, संतोष पांडेय, मुकेश दुबे, अर्चना पटेल, दिनेश यादव और आशीष यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

दौड़ में स्नेहा और हिमांश ने भी दर्ज की जीत

800 मीटर सीनियर बालिका वर्ग में जलालपुर की स्नेहा प्रथम रहीं। जूनियर बालिका वर्ग की 800 मीटर दौड़ में अकबरपुर की हिमांश ने पहला और मोहम्मद साहिब ने दूसरा स्थान हासिल किया। एक अन्य जूनियर बालिका स्पर्धा में राजेसुल्तानपुर की आरती प्रथम रहीं।

600 मीटर सब जूनियर बालक वर्ग में नाऊसांडा के चमन मौर्य ने बाजी मारी। सब जूनियर बालिका वर्ग में कटेहरी की लक्ष्मी प्रथम रहीं। गोला फेंक सीनियर बालिका वर्ग में अकबरपुर की शशिकला ने पहला स्थान पाया। लंबी कूद जूनियर बालक वर्ग में राजेसुल्तानपुर के अंशुमान और सीनियर बालक वर्ग में जलालपुर के आदित्य प्रथम रहे।

डिजिटल लेबर चौक ऐप से रोजगार की राह आसान करने की पहल

बसखारी के पूरा बागज्योति में श्रमिक जागरूकता शिविर

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। बसखारी के पूरा बागज्योति में बुधवार को श्रम विभाग ने श्रमिक जागरूकता एवं पंजीकरण शिविर लगाया। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित शिविर में श्रमिकों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं, पंजीकरण और डिजिटल सुविधाओं की जानकारी दी गई। रोजगार के अवसरों तक पहुंच आसान बनाने के लिए श्रमिकों को यूपी डिजिटल लेबर चौक ऐप का इस्तेमाल भी समझाया गया। शिविर में उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की योजनाओं के बारे में बताया गया। नए श्रमिकों का पंजीकरण किया गया और पुराने पंजीकरण के नवीनीकरण की प्रक्रिया समझाई गई। ई-श्रम पोर्टल के तहत प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना की पात्रता, लाभ और पंजीकरण की जानकारी भी दी गई। शिविर में श्रमिकों के ई-श्रम कार्ड बनाने की प्रक्रिया पूरी की गई।

शिविर में यूपी डिजिटल लेबर चौक ऐप पर विशेष जोर रहा। श्रमिकों को ऐप की सुविधाओं और इसके जरिए रोजगार के अवसरों से जुड़ने की प्रक्रिया बताई गई। मौके पर ही श्रमिकों के मोबाइल में ऐप डाउनलोड कराया गया। साथ ही प्रोफाइल पूरी भरने का तरीका समझाया गया, ताकि वे अपनी जानकारी दर्ज कर रोजगार से जुड़ी सुविधाओं का लाभ उठा सकें। श्रम विभाग की ओर से आयोजित इस शिविर का उद्देश्य श्रमिकों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना और डिजिटल सेवाओं के प्रति जागरूक करना रहा।

फास्ट न्यूज

सीएमओ कार्यालय से डाटा ऑपरेटर शादाब का तबादला

अंबेडकरनगर। स्वास्थ्य विभाग में प्रशासनिक स्तर पर बदलाव किया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय में तैनात डाटा ऑपरेटर शादाब का स्थानांतरण जहांगीरगंज कर दिया गया है। स्थानांतरण के बाद विभागीय स्तर पर इसकी चर्चा शुरू हो गई है। इसके साथ ही कुछ अन्य कर्मचारियों को भी आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

टांडा में सड़क किनारे जुआ खेलते छह गिरफ्तार

अंबेडकरनगर। टांडा पुलिस ने मंगलवार को रसूलपुर स्थित रहमान की बगिया के पास सड़क किनारे जुआ खेलने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 1160 रुपये और 52 ताश के पत्ते बरामद किए हैं। आरोपियों के खिलाफ सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि रहमान की बगिया के पास कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर छह लोगों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान नकदी और ताश के पत्ते बरामद हुए।

बालश्रम, मानव तस्करी और बाल विवाह रोकने पर जोर

अंबेडकरनगर। बालश्रम, मानव तस्करी, बाल विवाह और बच्चों के शोषण से जुड़े मामलों की रोकथाम को लेकर मंगलवार को रिजर्व पुलिस लाइन के सभागार में मासिक समीक्षा एवं समन्वय बैठक हुई। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी लाइन के नेतृत्व में आयोजित बैठक में बाल संरक्षण से जुड़े मामलों की कार्रवाई और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय पर चर्चा की गई।

ग्राम सभा से गांव के विकास तक महिला नेतृत्व को मिला प्रशिक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता



मालीपुर में 12 ग्राम पंचायतों की 60 महिला लीडरों ने सीखे स्थानीय स्वशासन और जीपीडीपी के गुर, खुली बैठकों में भागीदारी बढ़ाने पर जोर

जलालपुर (अंबेडकरनगर)। गांवों के विकास की योजना बनाने और ग्राम सभा की बैठकों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए मालीपुर में दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जन शिक्षण केंद्र के ग्रामीण महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत 13 और 14 अक्टूबर को बीआरसी कार्यालय में 12 ग्राम पंचायतों की 60 महिला लीडरों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण में पंचायती राज व्यवस्था, ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) और ग्राम सभा की खुली बैठक की प्रक्रिया समझाई गई। कार्यक्रम समन्वयक हेमलता ने ग्राम सभा को लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला बताया। उन्होंने कहा कि खुली बैठक में ग्रामीण अपनी समस्याएं और विकास से जुड़ी प्राथमिकताएं रख सकते हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को 73वें संविधान संशोधन, पंचायती राज व्यवस्था और वार्ड सदस्यों की जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही जीपीडीपी तैयार करने के पांच चरणों को समझाया गया।

प्रशिक्षण में रोल-प्ले और नाटक के माध्यम से ग्राम सभा की बैठक की प्रक्रिया बताई गई। इसमें महिलाओं की भागीदारी और पंचायत विकास की योजना तैयार करने में उनकी भूमिका पर जोर दिया गया।

जमीन विवाद में पूर्व प्रत्याशी से हाथापाई वीडियो वायरल होने से मची चर्चा

कटका के रफीगंज पुरानी बाजार की घटना चार साल से जमीन को लेकर चल रहा विवाद

बृजेंद्र वीर सिंह



तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। कटका थाना क्षेत्र के रफीगंज पुरानी बाजार में जमीन विवाद के दौरान वर्ष 2022 के जलालपुर विधानसभा प्रत्याशी नितेश पांडेय के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। मंगलवार दोपहर हुई घटना का वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, रफीगंज पुरानी बाजार निवासी जब्बार और उनके भाई के बीच जमीन पर कब्जेदारी को लेकर करीब चार साल से विवाद चल रहा है। बताया जा रहा है कि इसी मामले में वीआईपी पार्टी के टिकट पर जलालपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ चुके नितेश पांडेय कुछ साथियों के साथ विवादित स्थल पर पहुंचे थे।

मौके पर दोनों पक्षों के बीच बातचीत के दौरान कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते मामला बढ़ा और हाथापाई होने लगी। इसी दौरान किसी ने घटना का वीडियो बना लिया। बुधवार को यह वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने लगा। घटना के बाद जमीन विवाद और मारपीट को लेकर क्षेत्र में चर्चा है। हालांकि, वायरल वीडियो के आधार पर पूरे घटनाक्रम और इसमें शामिल लोगों की भूमिका की पुष्टि होना बाकी है। फिलहाल पुलिस वीडियो के आधार पर मामले की जांच कर रही है। घटना के संबंध में पुलिस की ओर से विस्तृत जानकारी और आगे की कार्रवाई का ब्योरा सामने नहीं आया है।

रामलीला के मंच पर गूंजा राम जन्म का प्रसंग, ताड़का वध का हुआ मंचन

रामलीला मैदान, गल्ला मंडी और धर्मशाला में उमड़े श्रद्धालु

तमसा संकेत, संवाददाता



जलालपुर (अंबेडकरनगर)। रामलीला के मंचन के साथ जलालपुर में मंगलवार रात धार्मिक आयोजनों की रौनक रही। रामलीला मैदान में राम जन्म से लेकर ताड़का वध तक के प्रसंगों का मंचन किया गया। गल्ला मंडी और धर्मशाला में भी रामकथा, आरती और झांकियां देखने के लिए श्रद्धालु पहुंचे।

रामलीला मैदान में रामलीला सेवा समिति के अध्यक्ष संजीव मिश्र के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में सबसे पहले भगवान राम के जन्म का दृश्य प्रस्तुत किया गया। इसके बाद विश्वामित्र के यज्ञ, राम-लक्ष्मण के मंगनी प्रसंग, ताड़का वध और सुबाहु वध का मंचन हुआ। कलाकारों ने विभिन्न प्रसंगों को मंच पर जीवंत किया। प्रस्तुति देखने के लिए मैदान में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही। गल्ला मंडी में रामलीला सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष संदीप अग्रहरि के तत्वावधान में कथा वाचन हुआ। इसके बाद मानिकचंद सोनी, उपाध्यक्ष विकास निषाद, सोनू गुप्ता और सोनू गौड़ ने राम-जानकी की आरती उतारी। इस दौरान जय श्रीराम के उद्घोष गूंजते रहे। वहीं, धर्मशाला में रामलीला समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र सोनी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में आकर्षक झांकी प्रस्तुत की गई। झांकी देखने के लिए श्रद्धालु जुटे। विभिन्न कार्यक्रमों में बेचन पांडे, दीपचंद सोनी, आनंद मिश्र, सुरेश गुप्त, आशाराम मौर्य, राधेश्याम शुक्ला, कृष्ण गोपाल गुप्ता, अतुल जायसवाल, सुशील अग्रवाल, रामचंद्र जायसवाल, विनोद मिश्र, जनमेजय मिश्र, संतोष सोनी, शिवनाथ त्रिपाठी, दिलीप यादव और विक्की गौतम सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

आईजीआरएस की समीक्षा में कमजोर प्रदर्शन वाले विभागों को सुधार के निर्देश

शिकायतों के निस्तारण में सिर्फ खानापूर्ति नहीं चलेगी

बृजेंद्र वीर सिंह



असंतुष्ट फीडबैक पर डीएम सख्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण पर जोर

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज जनशिकायतों के निस्तारण में लापरवाही और शिकायतकर्ताओं की असंतुष्टि को लेकर जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजों तक सीमित न रहे। हर मामले में गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई हो और शिकायतकर्ता को संतुष्ट करने का प्रयास किया जाए।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण निर्धारित समयसीमा के भीतर किया जाए। कार्रवाई में पारदर्शिता बरती जाए और शिकायतों को बिना उचित समाधान के निस्तारित न माना जाए। अधिकारियों को शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने और शिकायतकर्ता की संतुष्टि सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी वैभव मिश्रा और अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योत्स्ना बंधु मौजूद रहीं। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट थनिगईयरसन टी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं उपजिलाधिकारी अकबरपुर प्रतीक्षा सिंह, जिला विकास अधिकारी, परियोजना अधिकारी डीआरडीए, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और सभी उपजिलाधिकारी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

असंतुष्ट फीडबैक वाले विभागों पर विशेष जोर

बैठक में जिलाधिकारी ने खास तौर पर उन विभागों के कामकाज की समीक्षा की, जिन्हें आईजीआरएस पोर्टल पर सबसे अधिक असंतुष्ट फीडबैक मिला है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अपने निस्तारण की प्रक्रिया में सुधार लाने के निर्देश दिए। साथ ही शिकायतों की प्रकृति समझकर नियमानुसार कार्रवाई करने और उसकी गुणवत्ता पर ध्यान देने को कहा।

आईजीआरएस पोर्टल शासन की जनसुनवाई व्यवस्था का प्रमुख माध्यम है। इसके जरिए लोग अपनी समस्याएं संबंधित विभागों तक पहुंचाते हैं। ऐसे में शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई और समय से समाधान सुनिश्चित करना संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है।

हत्या के आरोपी के घर में आग से मचा हड़कंप पुलिस बल तैनात

सुषमा निषाद की हत्या के दो दिन बाद हुई घटना

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। भीटी थाना क्षेत्र के बनखोदवा गांव में महिला की हत्या के आरोपी के घर में बुधवार दोपहर आग लगने से तनाव की स्थिति बन गई। आग की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। एहतियात के तौर पर कई थानों की पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है।

बनखोदवा गांव में सोमवार, 12 अक्टूबर की शाम सुषमा निषाद (32) की हत्या कर दी गई थी। मामले में गांव के ही अजय निषाद का नाम सामने आया था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी थी। हत्या की घटना के बाद से ही गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई थी। पुलिस लगातार हालात पर नजर रख रही थी। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे आरोपी के घर में आग लगने की सूचना मिली। आग की लपटें देखकर गांव में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पुलिस और दमकलकर्मी पहुंचे और आग बुझाई। स्थिति को देखते हुए आसपास के इलाके में पुलिस की मौजूदगी बढ़ा दी गई, ताकि कोई दूसरी अप्रिय घटना न हो। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। गांव में आग लगाए जाने की चर्चा है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

फिलहाल घटना के कारणों और इसमें किसी की भूमिका को लेकर स्थिति स्पष्ट होना बाकी है। गांव में शांति बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात है।

शिकायतों पर एसपी सख्त समयसीमा में निस्तारण के दिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता



पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर प्राची सिंह ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई के निर्देश

अंबेडकरनगर। आमजन की शिकायतों के निस्तारण को लेकर बुधवार को पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई की। उन्होंने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक शिकायत पर गंभीरता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही मामलों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा।

जनसुनवाई के दौरान लोगों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें पुलिस अधीक्षक के सामने रखीं। प्राची सिंह ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों की प्रकृति के अनुसार जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने निस्तारण की प्रक्रिया में समयसीमा और गुणवत्ता का ध्यान रखने पर जोर दिया।

एसपी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों को लंबित रखने के बजाय निर्धारित समय में उनका निस्तारण किया जाए। प्रत्येक मामले में तथ्यों के आधार पर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि फरियादियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े। जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन की समस्याओं को सीधे सुनना और उनके निस्तारण की प्रक्रिया को प्रभावी बनाना रहा।

समारोह : बसखारी ब्लॉक प्रमुख को सामाजिक योगदान और उपलब्धियों के लिए किया गया सम्मानित

दिल्ली में कुंवर नरेंद्र मोहन सिंह को मिला डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम एंटरप्रेन्योर एंड अचीवर्स अवार्ड

बृजेंद्र वीर सिंह



डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के विचारों और राष्ट्र निर्माण की भावना से प्रेरित यह पुरस्कार विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। संजय सिंह को सम्मान मिलने से उनके समर्थकों और क्षेत्र के लोगों में खुशी है।

तमसा संकेत अंबेडकरनगर। बसखारी ब्लॉक प्रमुख कुंवर नरेंद्र मोहन सिंह (संजय सिंह) को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। 12 अक्तूबर को नई दिल्ली के लोधी रोड स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित समारोह में केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने उन्हें पुरस्कार प्रदान किया।

यह सम्मान उनके योगदान, समर्पण और उपलब्धियों के लिए दिया गया।

नई दिल्ली के लोधी रोड स्थित इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (आईआईसीसी) में आयोजित समारोह में उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। आयोजन अब्दुल कलाम ग्लोबल फाउंडेशन की ओर से किया गया, जबकि इसका प्रबंधन परवाज मीडिया ग्रुप ने किया। सम्मान पत्र में कुंवर नरेंद्र मोहन सिंह के योगदान और उपलब्धियों की सराहना की गई। साथ ही समाज पर उनके सकारात्मक प्रभाव को भी रेखांकित किया गया। इस सम्मान को उनके सार्वजनिक जीवन और सामाजिक योगदान के लिए मिली पहचान के रूप में देखा जा रहा है।

सम्मान से बढ़ी जिम्मेदारी - कुंवर नरेंद्र मोहन सिंह

सम्मान मिलने पर कुंवर नरेंद्र मोहन सिंह ने कहा, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के नाम से जुड़े इस सम्मान को पाकर मैं गौरवान्वित हूं। यह सम्मान मेरे लिए केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को और बेहतर तरीके से निभाने की प्रेरणा है। मेरा प्रयास रहेगा कि जनसेवा के कार्यों को पूरी निष्ठा से आगे बढ़ाऊं और क्षेत्र के लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरूं। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए आयोजकों के प्रति आभार जताया। साथ ही इसे समाज के प्रति समर्पण और जनसेवा की भावना को मजबूत करने वाला अवसर बताया।

सड़कों और खेतों से गोवंश हटाने का अभियान तेज, एक दिन में 25 संरक्षित

तमसा संकेत, संवाददाता



सेवा संकल्प अभियान के तहत 20 अक्टूबर तक चलेगा विशेष अभियान, पशुपालन और ग्राम विकास विभाग की टीमें गौशालाओं तक पहुंचा रहीं निराश्रित गोवंश

अंबेडकरनगर। सड़कों पर घूम रहे निराश्रित गोवंशों से होने वाली दुर्घटनाओं और खेतों में फसलों को नुकसान से बचाने के लिए जिले में विशेष संरक्षण अभियान चलाया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को 25 गोवंशों को पकड़कर विभिन्न गौशालाओं में संरक्षित किया गया। जिलाधिकारी ईशा प्रिया के निर्देश पर यह अभियान 13 से 20 अक्टूबर तक चलेगा। अभियान में पशुपालन विभाग, नगर पंचायत और ग्राम विकास विभाग की टीमें समन्वय से काम कर रही हैं। सड़क और खेतों में विचरण कर रहे निराश्रित गोवंशों को पकड़कर नजदीकी गौशालाओं में पहुंचाया जा रहा है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी के अनुसार, बुधवार से पहले तक अभियान में 12 गोवंश संरक्षित किए गए थे। बुधवार को 25 गोवंशों को गौशालाओं में पहुंचाया गया।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने किसानों और आमजन से अपील की है कि वे अपने गांव या आसपास सड़कों और खेतों में घूम रहे निराश्रित गोवंशों की सूचना संबंधित खंड विकास अधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी या विभागीय अधिकारियों को दें। उन्होंने कहा कि गोवंशों को सुरक्षित पकड़कर गौशालाओं तक पहुंचाने में जनसहयोग जरूरी है।

सम्पादकीय

विपक्ष का विचित्र खैया



राहुल गांधी ने विपक्षी नेताओं संग मार्च निकालकर सुप्रीम कोर्ट में जो याचिका दायर की थी, उस पर सुनवाई इसलिए नहीं हो सकी, क्योंकि उसमें अनेक कमियां मिलीं। इनके दूर होने के बाद उनकी याचिका पर तो सुनवाई होगी ही, इसी के साथ मतदाता सूचियों को शुद्ध करने की प्रक्रिया यानी एसआईआर पर दायर अन्य याचिकाओं पर भी। यह भी तय है कि राहुल गांधी ने अपनी याचिका में जिन बिंदुओं का उल्लेख किया है, उन पर भी सुप्रीम कोर्ट विचार करेगा। इसके बाद राहुल और उनके साथियों को सुनवाई की प्रतीक्षा करनी चाहिए, लेकिन वे धरना-प्रदर्शन के साथ शक्ति प्रदर्शन भी कर रहे हैं। वे इसे जारी रखने की भी बात कर रहे हैं। आखिर ऐसे में राहुल गांधी के यह कहने का क्या मतलब कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है, क्योंकि वे तो उसके फैसले की प्रतीक्षा करने को तैयार ही नहीं। क्या वे यह चाहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट उनके हिसाब से निर्णय दे या फिर उनकी दिलचस्पी उन बिंदुओं पर उसकी राय जानने की है ही नहीं, जो उन्होंने अपनी याचिका में उठाए हैं? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि वे अंतिम लक्ष्य पाने तक चैन से न बैठने की बात कर रहे हैं और यह संकेत देने में संकोच भी नहीं कर रहे हैं कि उनका अंतिम लक्ष्य मुख्य चुनाव आयुक्त समेत मोदी सरकार को हटाना है। क्या वे यह काम सड़कों पर उतरकर और यह झूठ फैलाकर करना चाहते हैं कि लोकतंत्र खत्म हो गया है? लोकतंत्र में तो सत्ता परिवर्तन चुनाव के जरिये होता है। क्या राहुल गांधी अन्य कोई तरीका आजमाना चाह रहे हैं?

राहुल गांधी एसआईआर को वोट चोरी का नाम देकर न केवल जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, बल्कि उसके विरोध में लोकतांत्रिक तौर-तरीकों से इतर रास्ता भी अपना रहे हैं। इसके लिए वे एसआईआर की कमियों, जटिलताओं और उसके चलते लोगों को हो रही परेशानी को अपनी ढाल बना रहे हैं। अब जब वे झूठ को घी बनाकर उसे आग में डालने का काम कर रहे हैं, तब फिर चुनाव आयोग को यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी पात्र मतदाता छूटने न पाए। इसके लिए एसआईआर प्रक्रिया तब तक जारी रहनी चाहिए, जब तक चुनाव नहीं आ जाते। उसकी ओर से लोगों को अपना सही विवरण और दस्तावेज देने के लिए जो पत्र जारी होते हैं, उन्हें नोटिस का नाम देने से कुछ ऐसा संदेश निकलता है कि उनका नाम वोटर लिस्ट से कटने जा रहा है। संदेश तो यह जाना चाहिए कि एसआईआर के जरिये उन्हें उनका नाम वोटर लिस्ट में दर्ज कराने की सुविधा दी जा रही है। चुनाव आयोग को जितना ध्यान अपात्र लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर करने पर देना चाहिए, उतना ही पात्र लोगों को मतदाता बनाने का। इससे ही लोगों का भरोसा बढ़ेगा और वे विपक्ष के बहकावे में आने से बचेंगे।

छात्रः सपनों की उड़ान से सृजन की पहचान तक





> 66
> छात्र आंदोलनों का इतिहास बताता है कि युवाओं की आवाज ने अनेक बार सामाजिक परिवर्तन, लोकतांत्रिक अधिकारों और जनहित के प्रश्नों को नई धार दी है।

किसी राष्ट्र का भविष्य उसकी संसदों में पारित कानूनों से कम और उसके शिक्षण संस्थानों में गढ़े जा रहे विद्यार्थियों के चरित्र से अधिक निर्धारित होता है। छात्र केवल किसी देश की युवा आबादी नहीं, बल्कि उसकी संभावनाओं, विचारों, मूल्यों और विकास की जीवंत पूंजी होते हैं। उनकी आंखों में पलते सपने राष्ट्र की तकदीर लिखते हैं और उनके हाथों में संवरता भविष्य सभ्यता की दिशा तय करता है। किंतु जब यही हाथ सृजन के औजारों के बजाय विध्वंस के हथियार उठाने लगें, जब ज्ञान की जिज्ञासा हिंसा की उत्तेजना में बदलने लगे और जब शिक्षा के मंदिरों में अनुशासन की जगह अराजकता पनपने लगे, तब यह केवल छात्र जीवन का संकट नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की चेतना के लिए खतरे की घंटी है। विश्व छात्र दिवस इसी संदर्भ में आत्ममंथन का अवसर है। प्रतिवर्ष 15 अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व छात्र दिवस भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक और 'मिसाइल मैन' डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती को समर्पित है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस दिवस को आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किए जाने का दावा नहीं करना चाहिए, फिर भी भारत में यह दिन व्यापक रूप से कलाम के विद्यार्थी-केंद्रित विचारों, शिक्षा के प्रति समर्पण और युवाओं के स्वप्नशील व्यक्तित्व के सम्मान के रूप में मनाया जाता है। डॉ. कलाम के लिए विद्यार्थी केवल परीक्षाओं में अंक प्राप्त करने वाले छात्र नहीं थे, बल्कि वे ऐसे स्वप्नदृष्टा थे, जिनके भीतर देश की तस्वीर बदलने की क्षमता थी। वे बच्चों के बीच जाते, उनसे संवाद करते, उनके प्रश्नों को प्रोत्साहित करते और उन्हें बड़े सपने देखने की प्रेरणा देते थे। उनका विश्वास था कि सपने वे नहीं होते जो नींद में आते हैं, बल्कि वे होते हैं जो व्यक्ति को सोने नहीं देते। उनका जीवन इस बात का प्रमाण था कि साधारण परिस्थितियों में जन्मा व्यक्ति भी असाधारण संकल्प, ज्ञान और परिश्रम से इतिहास रच सकता है। डॉ. कलाम का मिशन केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं था। उनका व्यापक स्वप्न भारत को विकसित, आत्मनिर्भर, ज्ञान-संपन्न और नैतिक रूप से सशक्त राष्ट्र बनाना था। उन्होंने युवाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, आत्मविश्वास और राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने का प्रयास किया। उनकी दृष्टि में शिक्षा का उद्देश्य केवल आजीविका कमाने की योग्यता पैदा करना नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर विवेक, संवेदना, चरित्र और उत्तरदायित्व का विकास करना भी था। वे चाहते थे कि प्रत्येक विद्यार्थी अपनी प्रतिभा पहचाने, असफलताओं से सीखे और अपनी ऊर्जा को समाज की समस्याओं के समाधान में लगाए। आज प्रश्न यह है कि क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था और छात्र राजनीति उनके इस स्वप्न को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं? समकालीन परिदृश्य का एक चिंताजनक पक्ष यह है कि अनेक शिक्षण संस्थानों में हिंसक टकराव, तोड़फोड़, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, अनुशासनहीनता और शक्ति प्रदर्शन जैसी घटनाएं चिंता उत्पन्न कर रही हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि समूचा छात्र समुदाय इस प्रवृत्ति का शिकार है, क्योंकि इसी पीढ़ी के विद्यार्थी विज्ञान, तकनीक, खेल, पर्यावरण संरक्षण, उद्यमिता और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य भी कर रहे हैं। फिर भी जहां छात्र जीवन की रचनात्मक ऊर्जा नकारात्मक गतिविधियों में खपती है, वहां समाज को उसके कारणों की पड़ताल करनी चाहिए। आखिर जिस उम्र में प्रयोगशालाओं में नए आविष्कार होने चाहिए, उस उम्र में यदि परिसर संघर्ष के अखाड़े बन जाएं, तो यह हमारी सामूहिक विफलता का संकेत है।

अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना, व्यवस्था से जवाबदेही मांगना और शिक्षा संबंधी समस्याओं पर संगठित होना छात्र जीवन का सकारात्मक पक्ष है। लेकिन आंदोलन और अराजकता के बीच एक महीन, किंतु निर्णायक रेखा होती है। जब तर्क की जगह ताव, संवाद की जगह टकराव और विरोध की जगह हिंसा ले लेती है, तब उद्देश्य पीछे छूट जाता है और अहंकार आगे आ जाता है। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार अनिवार्य है, लेकिन असहमति के नाम पर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, शिक्षकों का अपमान करना अथवा दूसरे विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित करना किसी भी तरह उचित नहीं ठहराया जा सकता। आग लगाकर उजाला नहीं किया जा सकता और शाख काटकर वृक्ष को मजबूत नहीं बनाया जा सकता। इस स्थिति के लिए केवल विद्यार्थियों को दोष देना भी समस्या का सरलीकरण होगा। परिवारों में संवाद का अभाव, शिक्षा का बढ़ता व्यावसायीकरण, रोजगार को लेकर अनिश्चितता, मानसिक दबाव, सोशल मीडिया पर आक्रामकता का महिमामंडन, नशे की आसान उपलब्धता और छात्र राजनीति में बाहरी स्वार्थों का हस्तक्षेप भी इस संकट को गहरा सकते हैं। जब युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा नहीं मिलती, तब वह कभी निराशा, कभी आक्रोश और कभी अनुकरण की प्रवृत्ति में बहने लगती है। खाली दिमाग शैतान का घर होता है, यह लोकोक्ति हर परिस्थिति में सत्य नहीं, लेकिन इतना अवश्य है कि उद्देश्यहीन ऊर्जा भटकाव का कारण बन सकती है। इसलिए विद्यार्थियों को केवल उपदेश नहीं, अवसर, मार्गदर्शन, विश्वास और सार्थक भागीदारी भी चाहिए। यहां जैन दर्शन की अहिंसा, अनेकांत और आत्मानुशासन की शिक्षाएं विशेष प्रासंगिक हो जाती हैं। जैन परंपरा में अहिंसा का अर्थ केवल शारीरिक हिंसा से बचना नहीं, बल्कि विचार, वाणी और व्यवहार में भी संयम रखना है। अनेकांतवाद सिखाता है कि सत्य को समझने के लिए दूसरे पक्ष को सुनना और अपने विचारों की सीमाओं को स्वीकार करना आवश्यक है। यदि इन मूल्यों को छात्र जीवन में व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए, तो मतभेद शत्रुता में नहीं बदलेंगे और विरोध संवाद का माध्यम बनेगा।

- ललित गर्ग

बड़ा सवाल यह है ...

डॉ घनश्याम बादल

जंतर मंतर की खामोशी के निहितार्थ

लोकतंत्र में सरकारें बोलें और जनता सिर्फ सुने, सवाल उठाए तो तयशुदा मैदानों में जाकर चिल्लाए—क्या यही नए भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था है? जंतर-मंतर को धरना-प्रदर्शन स्थलों की सूची से बाहर करने के फैसले ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि सत्ता को असुविधाजनक आवाज़ों से इतनी परेशानी क्यों है?

दिल्ली पुलिस के आदेश के बाद अब जंतर मंतर की आवाज बंद हो जाएगी और रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली के सीबीडी ग्राउंड प्रदर्शन के लिए उपलब्ध रहेंगे । सरकार इसे सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की ज़रूरत बता रही है। जबकि विपक्ष लोकतंत्र का गला घुटने एवं अभिव्यक्ति के मौलिक अधिकार पर प्रहार बढ़कर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहा है।

बड़ा सवाल यह है कि व्यवस्था बनाए रखने का रास्ता विरोध की जगह बदलना है या विरोध को प्रभावहीन बना देना?

जंतर-मंतर महज एक सड़क नहीं, सत्ता के दरवाजे पर दस्तक देने का प्रतीक था। यहां किसान, कर्मचारी, बेरोजगार, सामाजिक कार्यकर्ता और राजनीतिक विरोधी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचते रहे हैं। संसद और सत्ता के केंद्र के करीब उठने वाली आवाज़ का अपना दबाव होता है। उसे शहर के दूसरे छोर पर भेज देने से आवाज़ बंद तो नहीं होती, लेकिन उसकी गूंज जरूर घट सकती है। यही इस फैसले की सबसे बड़ी राजनीतिक आशंका है।

सरकार कहती है कि प्रदर्शन पर प्रतिबंध नहीं, केवल स्थान बदला गया है लेकिन अधिकार सिर्फ कागज पर बचा रहने से जीवित नहीं रहता। यह भी देखना होगा कि नए स्थल कितने सुलभ हैं, वहां प्रदर्शन की अनुमति कितनी आसानी से मिलती है और क्या वहां उठने वाली आवाज़ मीडिया, जनता तथा नीति-निर्माताओं तक पहले जैसी पहुंच रख पाएगी? मैदान उपलब्ध करा देना और विरोध को प्रभावी बने रहने देना दो अलग बातें हैं।

जंतर-मंतर को लेकर विवाद नया नहीं है। 2017 में राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने वहां प्रदर्शनों पर रोक लगाने और वैकल्पिक स्थल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। 2018 में मज़दूर किसान शक्ति संगठन बनाम भारत संघ मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने प्रदर्शन के अधिकार और आम नागरिकों की सुविधाओं के बीच संतुलन की जरूरत रेखांकित की। अदालत ने न तो असीमित प्रदर्शन की छूट दी, न ही असहमति को कुचलने का लाइसेंस। मौजूदा फैसले की वैधता भी इसी कसौटी पर परखी जानी चाहिए—क्या प्रतिबंध जरूरी, आनुपातिक और उचित है? क्या वैकल्पिक स्थल वास्तव में कारगर हैं?

इस फैसले की राजनीतिक पृष्ठभूमि भी अनदेखी नहीं की जा सकती। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर जारी विवाद के बीच जंतर-मंतर का दर्जा खत्म हुआ है। विपक्ष और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) जैसे समूह इसे असहमति सीमित करने की कोशिश मान सकते हैं; सरकार इसे सुरक्षा और व्यवस्था का निर्णय बता सकती है लेकिन राजनीतिक आरोपों से परे सरकार को यह साबित करना होगा कि फैसला किसी खास विचारधारा या आंदोलन को निशाना बनाने के बजाय समान प्रशासनिक मानदंडों पर आधारित है।

सौरव दास और आशुतोष राणा का जंतर-मंतर पहुंचना भी इसी टकराव का प्रतीक है। सीजेपी नेताओं और उनके साथियों की वहां प्रदर्शन की कोशिश बताती है कि स्थल का महत्व केवल भौगोलिक नहीं, राजनीतिक भी है। यदि वे प्रतिबंध के बावजूद वहां पहुंचकर अपनी बात दर्ज कराना चाहते हैं, तो उनका संदेश साफ है—स्थान बदलने से मुद्दा नहीं मिटेगा लेकिन आंदोलन की गंभीरता केवल टकराव से नहीं, उसके प्रमाणों, स्पष्ट मांगों और शांतिपूर्ण आचरण से तय होगी। हर अवज्ञा लोकतांत्रिक साहस नहीं और हर सरकारी आदेश जनहित की गारंटी भी नहीं।

सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि नए स्थलों पर अनुमति की प्रक्रिया क्या होगी, प्रतिबंधों के मानदंड क्या हैं और क्या सभी संगठनों को समान अवसर मिलेगा। विपक्ष को भी चुनावी निष्पक्षता से जुड़े अपने आरोप प्रमाणों के साथ रखने चाहिए। लोकतंत्र में न सत्ता को सवालों से छूट है, न आंदोलनकारियों को तथ्यों से।

जंतर-मंतर की जगह तीन मैदान ले सकते हैं, लेकिन क्या वे सत्ता के दरवाजे तक पहुंचने वाली आवाज़ की भरपाई कर सकेंगे? यह फैसला केवल दिल्ली की सड़कों का नहीं, लोकतांत्रिक मिजाज का सवाल है। आज विरोध को दूर भेजने की सुविधा है, कल सवाल पूछने वालों को ही असुविधाजनक घोषित करने का प्रलोभन भी हो सकता है। याद रहे, लोकतंत्र की पहचान इस बात से नहीं होती कि सरकार कितनी आसानी से चलती है बल्कि इससे होती है कि उसके खिलाफ उठने वाली आवाज़ को कितनी जगह मिलती है। जंतर-मंतर को सूची से हटाया जा सकता है; असहमति को लोकतंत्र से बेदखल नहीं किया जा सकता वरना मैदान तो रहेंगे, भीड़ भी जुटेगी—बस लोकतंत्र की आवाज़ धीरे-धीरे गूंगी होती जाएगी और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए यह एक बहुत ही गंभीर बात होगी जो उसके अस्तित्व एवं वर्चस्व पर एक बड़ा सवाल वैश्विक क्षितिज पर भी खड़ा कर सकती है।

प्रदेश सरकार ...

अमरेश कुमार

रेशम कीट पालन से निर्मित रेशमी बनारसी साड़ी तक आत्मनिर्भर हो रहा प्रदेश का रेशम उद्योग

उत्तर प्रदेश रेशम विभाग राज्य में रेशम कीट पालन ;ैमतपबनसजनतमद्ध और रेशम उद्योग के विकास, प्रोत्साहन और प्रसार के लिए उत्तरदायी एक प्रमुख शासकीय निकाय है। यह विभाग केवल रेशम नहीं बनाता, बल्कि गांव की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है, किसानों की आय बढ़ाता है और विशेषकर ग्रामीण महिलाओं को घर बैठे स्वरोजगार से जोड़ने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप अब उत्तर प्रदेश का रेशम विभाग बनारसी साड़ी के लिए कर्नाटक पर निर्भरता खत्म कर, यूपी को ही रेशम उत्पादन का हब बनाने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। उत्तर प्रदेश में रेशम विकास से संबंधित कार्य शुरुआत में उद्योग निदेशालय के अंतर्गत संचालित होते थे। रेशम उत्पादन की अपार संभावनाओं और इसके व्यापक विस्तार को देखते हुए वर्ष 1992 में पृथक ''रेशम विकास विभाग'' की स्थापना हुई थी। तब से लेकर आज तक यह विभाग लगातार किसानों के जीवन में बदलाव ला रहा है।

प्रदेश सरकार कृषकों की आय में वृद्धि के लिए पारंपरिक गेहूं-धान की खेती के साथ-साथ रेशम कीट पालन को एक सहायक और अत्यंत लाभदायक विकल्प के रूप में विकसित कर रही है। एक एकड़ शहतूत की खेती से किसान साल में 4 से 5 बार फसल लेकर 1 लाख रुपये तक की अतिरिक्त आय कमा सकते हैं। स्वरोजगार का सृजन एवं ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में विशेषकर महिलाओं और भूमिहीन मजदूरों के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए रेशम कीट पालन में 60 प्रतिशत से अधिक कार्य महिलाएं ही करती हैं। प्रदेश में कच्चे रेशम का उत्पादन बढ़ाया गया है। उत्तर प्रदेश की विश्व प्रसिद्ध बनारसी साड़ी और हथकरघा उद्योग के लिए आवश्यक कच्चे रेशम ;तंू ैपसाद्ध का राज्य में ही उत्पादन बढ़ाया जा रहा है ताकि कर्नाटक और पश्चिम बंगाल पर रेशम धागे हेतु निर्भरता कम हो सके। वाराणसी अकेले देश के कुल रेशम का सबसे बड़ा उपभोक्ता है।

प्रदेश की भौगोलिक विविधता का सबसे बड़ा लाभ यह है कि उत्तर प्रदेश देश के उन चुनिंदा राज्यों में से है जहाँ जलवायु भिन्नता के कारण तीन प्रमुख प्रकार के रेशम का उत्पादन किया जाता है। शहतूती रेशम ;डनसइमततलद्धः यह सबसे मुलायम और सबसे अधिक मांग वाला रेशम है। इसका मुख्य खाद्य पौधा शहतूत ;डनसइमततलद्ध है। इसके प्रमुख उत्पादक क्षेत्र गोरखपुर, बस्ती, गोंडा, देवरिया, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सिद्धार्थनगर आदि हैं। प्रदेश का पूर्वी एवं तराई क्षेत्र इसकी बेल्ट है। दूसरे नम्बर पर टसर रेशम ;जंेतद्ध है। यह जंगली रेशम है, जो थोड़ा मोटा और मजबूत होता है। इसका मुख्य खाद्य पौधा अर्जुन एवं असन के वृक्ष हैं। इसके प्रमुख उत्पादक जिले सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, ललितपुर आदि हैं। विंध्य एवं बुंदेलखंड क्षेत्र, जहां अर्जुन के जंगल हैं, वहां टसर क्रांति आ रही है। यह कम बारिश वाले क्षेत्रों के लिए वरदान है।

तीसरे नम्बर पर एरी रेशम है। इसे शांति का रेशम या अहिंसा सिल्क भी कहते हैं, क्योंकि इसमें कीड़े को मारे बिना रेशम निकाला जाता है।

अंकों की होड़ में कहीं खो तो नहीं रहा सीखने का मकसद

शिक्षा किसी देश का भविष्य गढ़ती है, लेकिन जब शिक्षा का मकसद अच्छे अंक, ऊंची रैंक और प्रतिष्ठित संस्थान में दाखिले तक सिमट जाए तो उसके उद्देश्यों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। भारत में विद्यार्थियों के सामने आज यही चुनौती है। उनसे बेहतर प्रदर्शन की अपेक्षा की जाती है लेकिन क्या शिक्षा व्यवस्था उन्हें स्वतंत्र सोचने, अपनी रुचि पहचानने और असफलता से उबरने का पर्याप्त अवसर देती है? क्या हम ज्ञानवान पीढ़ी तैयार कर रहे हैं या परीक्षा में सफल होने वाले विद्यार्थी?

15 अक्टूबर को विश्व छात्र दिवस पर इन सवालों से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती से जुड़ा यह दिन विद्यार्थियों की क्षमताओं, उनके सपनों और देश के भविष्य पर विचार करने का अवसर है। कलाम विद्यार्थियों में बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का विश्वास जगाते थे। लेकिन सपनों की चर्चा तभी सार्थक है, जब उन्हें पूरा करने के लिए जरूरी अवसर भी उपलब्ध हों। केवल प्रेरणा से शिक्षा की बुनियादी समस्याएं दूर नहीं होंगी। भारतीय शिक्षा व्यवस्था में परीक्षा का महत्व असंदिग्ध है। सीमित सीटों और बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के बीच चयन के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता। समस्या परीक्षा से नहीं बल्कि उसे शिक्षा का अंतिम उद्देश्य बना देने से है। अंकों और रैंक की होड़ में विषय की समझ, जिज्ञासा और रचनात्मकता पीछे छूटने लगती हैं। अच्छे अंक हासिल करना और किसी विषय को गहराई से समझना एक ही बात नहीं है। शिक्षा की गुणवत्ता इस बात से भी तय होनी चाहिए कि विद्यार्थी सीखी हुई जानकारी का इस्तेमाल कैसे करता है, किसी समस्या पर कितना तार्किक विचार करता है और नए सवाल उठाने का कितना साहस रखता है। यदि विद्यार्थी का मूल्यांकन केवल सही उत्तर देने की क्षमता से होगा, तो उसकी स्वतंत्र सोच को विकसित करने की गुंजाइश सीमित रह जाएगी।

राजेश जैन

जरा हटके

सरकारी योजनाओं ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

स्वयं सहायता समूह से जुड़कर बरेली की विदुषी यादव बनीं आत्मनिर्भर उद्यमी

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत जनपद बरेली में ग्रामीण महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक स्वावलंबन के लिए सुव्यवस्थित कार्ययोजना संचालित की जा रही है। प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में गठित महिला स्वयं सहायता समूहों को संस्थागत वित्त, तकनीकी दक्षता और स्वरोजगार के सुगम अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस व्यवस्था के अंतर्गत महिलाएं पारंपरिक घरेलू सीमाओं से आगे बढ़कर गैर-कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों को सफलतापूर्वक अपना रही हैं। इसी क्रम में जनपद बरेली के विकासखंड आलमपुर जाफराबाद अंतर्गत ग्राम पंचायत चांदपुर नगरीया की निवासी विदुषी यादव ने स्वयं सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भरता का ठोस आधार तैयार किया है। विदुषी यादव गांव की 11 कर्मठ महिलाओं द्वारा गठित 'भागीरथी महिला स्वयं सहायता समूह' की सक्रिय सदस्य हैं। समूह में शामिल होने से पूर्व उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यधिक सीमित थी और परिवार के भरण-पोषण के लिए आजीविका का कोई नियमित या सुनिश्चित साधन उपलब्ध नहीं था। 'भागीरथी महिला स्वयं सहायता समूह' से जुड़ने के उपरांत विदुषी यादव ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के आधारभूत पंचसूत्र का निष्ठापूर्वक पालन किया। समूह की साप्ताहिक बैठकों में नियमित उपस्थिति, निरंतर साप्ताहिक बचत, समूह के भीतर आंतरिक लेन-देन, समयबद्ध ऋण वापसी और पारदर्शी लेखा-जोखा संधारण के माध्यम से समूह के वित्तीय आधार को मजबूती प्रदान की गई। इस सामूहिक वित्तीय अनुशासन के फलस्वरूप समूह की क्रेडिट रेटिंग और साख में उल्लेखनीय सुधार दर्ज हुआ। समूह की सक्रियता और वित्तीय अनुशासन के आधार पर मिशन के मानकों के अनुसार माइक्रो क्रेडिट प्लान तैयार किया गया। इसके तहत जिला प्रशासन की देखरेख में भागीरथी महिला स्वयं सहायता समूह को प्रारंभिक रिवाल्विंग फंड के उपरांत सामुदायिक निवेश निधि (सीआई-एफ) का वित्तीय सहयोग स्वीकृत किया गया। बिना किसी बंधक अथवा जटिल औपचारिकताओं के अत्यंत सुलभ ब्याज दरों पर प्राप्त इस सरकारी पूंजी ने विदुषी यादव के लिए स्वतंत्र उद्यम स्थापित करने की आधारशिला रखी। उपलब्ध वित्तीय संसाधन और अपने व्यक्तिगत हुनर का समुचित उपयोग करते हुए विदुषी यादव ने गांव में ही ब्यूटी पार्लर तथा हैंडीक्राफ्ट (हस्तशिल्प) का संयुक्त कार्य प्रारंभ किया। जनपद बरेली की पारंपरिक हस्तशिल्प पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए उन्होंने आधुनिक सौंदर्य सेवाओं के साथ हस्तनिर्मित उत्पादों के निर्माण को अपने उद्यम का आधार बनाया। ग्रामीण क्षेत्र में दोनों सेवाओं की निरंतर स्थानीय मांग को देखते हुए यह व्यवसाय तेजी से विकसित हुआ। विदुषी यादव के कुशल प्रबंधन और गुणवत्तापूर्ण कार्यों के परिणामस्वरूप उनके व्यवसाय का विस्तार आसपास के गांवों तक हुआ। वर्तमान में वह ब्यूटी पार्लर संचालन तथा हस्तशिल्प उत्पादों के विक्रय से प्रतिमाह 15 से 20 हजार रुपये की शुद्ध आय नियमित रूप से प्राप्त कर रही हैं। इस स्थिर आय ने उनके परिवार को आर्थिक स्थिरता प्रदान की है, जिससे बच्चों की शिक्षा और दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति सुचारु रूप से हो रही है। मासिक 15 से 20 हजार रुपये की आमदनी के साथ विदुषी यादव की वार्षिक आय दो लाख रुपये से अधिक के स्तर पर पहुंच चुकी है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा संचालित 'लखपति दीदी' पहल के अंतर्गत निर्धारित वित्तीय मानकों को प्राप्त कर लिया है। एक सामान्य ग्रामीण महिला से लखपति दीदी के रूप में उनकी यह प्रगति ग्रामीण वित्तीय समावेशन की वास्तविक उपलब्धि को दर्शाती है। विदुषी का उद्यम केवल उनकी व्यक्तिगत आय तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने गांव की अन्य महिलाओं को भी इस आजीविका चक्र से जोड़ा है। वह भागीरथी स्वयं सहायता समूह की अन्य सदस्यों तथा गांव की युवतियों को ब्यूटी केयर एवं हैंडीक्राफ्ट निर्माण का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर रही हैं। इस पहल के माध्यम से गांव की कई अन्य महिलाएं भी कार्य से जुड़कर स्थानीय स्तर पर अतिरिक्त आय अर्जित कर रही हैं। जनपद बरेली में जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कदम उठाए जा रहे हैं। विकासखंड स्तर पर कार्यरत मिशन इकाइयों के माध्यम से समूहों को बैंक लिंकेज, आंतरिक वित्तीय प्रबंधन और कौशल संवर्धन की सुविधाएं दी जा रही हैं। महिलाओं को गैर-कृषि उद्यमों, विशेष रूप से हस्तशिल्प, वस्त्र निर्माण और सेवा क्षेत्र से जोड़ने के लिए तकनीकी सहयोग भी उपलब्ध कराया जा रहा है। स्वयं सहायता समूह प्रणाली ने ग्रामीण क्षेत्रों में असंगठित ऋणदाताओं और साहूकारों के महंगे ब्याज चक्र को समाप्त करने में प्रभावी भूमिका निभाई है। न्यूनतम ब्याज दर और पारदर्शी किस्तों पर उपलब्ध सरकारी वित्तीय सहयोग के कारण महिलाएं सुरक्षित वातावरण में अपने व्यवसाय का विस्तार कर रही हैं। डिजिटल साक्षरता और बैंक सखी व्यवस्था ने वित्तीय लेन-देन को और अधिक सुगम एवं पारदर्शी बनाया है। हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा समूहों के उत्पादों को जनपद स्तरीय प्रदर्शनियों, सरस मेलों और स्थानीय हाट-बाजारों से जोड़ा जा रहा है। इस संस्थागत व्यवस्था से विदुषी यादव जैसे सूक्ष्म उद्यमियों को अपने उत्पादों के विपणन के लिए बिचौलियों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता और उन्हें उत्पादों का उचित मूल्य सीधे प्राप्त होता है।

सरकारी योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन से आज ग्रामीण अंचल की महिलाओं को अपने पैरों पर खड़े होने और सम्मानजनक आजीविका स्थापित करने के सुलभ अवसर प्राप्त हो रहे हैं। जनपद बरेली के विकासखंड आलमपुर जाफराबाद में संचालित यह उद्यम ग्रामीण आजीविका मिशन के लक्ष्यों को धरातल पर चरितार्थ कर रहा है। जिला प्रशासन द्वारा जनपद के समस्त विकासखंडों में स्वयं सहायता समूहों को सूक्ष्म उद्यमों, तकनीकी प्रशिक्षण और वित्तीय संसाधनों से आच्छादित करने का कार्य निरंतर गति से आगे बढ़ाया जा रहा है , जिससे ग्रामीण महिलाएं संगठित होकर बेहतर आजीविका प्राप्त करने के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही हैं।

बोले- वोट चोरी बड़ा मुद्दा, बूथों पर सतर्क रहें सपा कार्यकर्ता भाजपा सरकार में महंगाई

फर्जी वोट को ताकत समझती है भाजपा 2027 में हराना लक्ष्य : अखिलेश

संबोधन

- एसआईआर के बाद भी फर्जी वोट होने का आरोप
- पीडीए का वोट काटने की साजिश का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर फर्जी वोट बनवाने और विपक्षी समर्थकों के वोट कटवाने की साजिश का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा फर्जी वोट को अपनी ताकत समझती है। वोट चोरी बड़ा मुद्दा है और समाजवादी पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं को बूथों पर सतर्क रहना होगा। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में सरकार बनाना पार्टी का लक्ष्य है। यह चुनाव जीवन-मरण का चुनाव है और इसमें भाजपा की पराजय तय है। बुधवार को लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा के कुशासन से त्रस्त है। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर हैं। सपा अध्यक्ष ने मतदाता सूची में गड़बड़ी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद भी मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर फर्जी वोट मौजूद हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के दौरान भाजपा ने समाजवादी पार्टी समर्थकों के वोट कटवाने की साजिश की। उनके मुताबिक, सपा कार्यकर्ताओं ने सुल्तानपुर के नंदलाल निषाद और लखनऊ के सरोजनी नगर क्षेत्र के दशरथ के नाम से वोट कटवाने के लिए भाजपा द्वारा भरवाए गए कथित फर्जी फार्म-7 पकड़े थे। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों के वोट काटने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि पीडीए भाजपा की चालबाजी समझ चुका है और विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा को उसकी कथित लूट और बेईमानी का जवाब देगी। उन्होंने भाजपा पर कानून और संविधान का पालन नहीं करने, सत्ता का दुरुपयोग करने तथा बुलडोजर के जरिए गरीबों को डराने का आरोप भी लगाया।

भाजपा सरकार ने प्रदेश को हर क्षेत्र में नुकसान पहुंचाया है। शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था ध्वस्त है, स्वास्थ्य सेवाएं खराब हैं और कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार और लूट हो रही है तथा गरीबों और असहायों की जमीनों पर कब्जे किए जा रहे हैं।



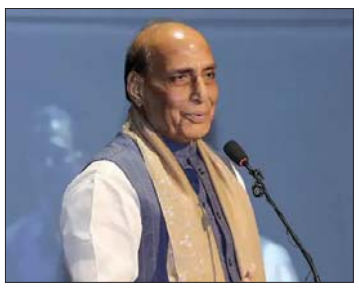
कार्यकर्ताओं से अनुशासन बनाए रखने की अपील

अखिलेश यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अनुशासन में रहने और ऐसा कोई व्यवहार नहीं करने की अपील की, जिससे किसी को शिकायत का मौका मिले। उन्होंने कहा कि जनता को समाजवादी पार्टी से उम्मीदें हैं। प्रदेश के हित में सपा की सरकार बनना जरूरी है। चुनाव में अब समय कम बचा है, इसलिए सभी कार्यकर्ता तैयारियों में जुट जाएं। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों को सत्ता का संरक्षण मिल रहा है और पुलिस भी उनका साथ दे रही है।

राजनाथ सिंह 15 अक्टूबर से तीन दिन लखनऊ में रहेंगे

फैजुल्लागंज में बांटेंगे राहत सामग्री, जानकीपुरम दुर्गा पूजा में होंगे शामिल

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । केंद्रीय रक्षामंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह 15 अक्टूबर से तीन दिन के लखनऊ दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह फैजुल्लागंज में बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री बांटेंगे। इसके अलावा सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे और अन्य कार्यक्रमों में शामिल होंगे। भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने उनके दौरे की जानकारी दी।

निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक, राजनाथ सिंह 15 अक्टूबर को नई दिल्ली से रवाना होकर दोपहर 3:35 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से वह सड़क मार्ग से फैजुल्लागंज जाएंगे। शाम 4 बजे आईआईएम रोड स्थित अल्लूनगर डिगुरिया चौक पर बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री बांटेंगे। इसके बाद वह शहर के अलग-अलग इलाकों में लोगों से मुलाकात करेंगे और अन्य कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

रक्षामंत्री 16 अक्टूबर को कालिदास मार्ग स्थित अपने आवास पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद वह शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में शोक संतप्त परिवारों के घर पहुंचकर दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि देंगे और परिजनों से मुलाकात करेंगे।

शाम 6 बजे राजनाथ सिंह जानकीपुरम के सेक्टर-ई स्थित राम-राम बैंक चौराहे पर आयोजित दुर्गा पूजा कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम के बाद वह कालिदास मार्ग स्थित अपने आवास लौटेंगे और रात्रि विश्राम करेंगे।

तीन दिवसीय दौरे के अंतिम दिन 17 अक्टूबर को रक्षामंत्री अपने आवास पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद सुबह 11:30 बजे लखनऊ एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे। यहां से वह आगे की यात्रा के लिए प्रस्थान करेंगे।

फास्ट न्यूज

एमिटी लखनऊ में संगठन-2026 स्पोर्ट्स मीट

लखनऊ । एमिटी यूनिवर्सिटी लखनऊ परिसर का वार्षिक इंटर इंस्टीट्यूशनल स्पोर्ट्स मीट 'संगठन-2026' बुधवार को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ संपन्न हुआ। इस वर्ष प्रतियोगिता के तहत विभिन्न खेलों के 150 से अधिक मैच आयोजित किए गए। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एमिटी यूनिवर्सिटी लखनऊ परिसर के प्रो-वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) अनिल वशिष्ठ शामिल हुए।

एलयू के 21268 स्टूडेंट्स के आईडी कार्ड डिजिलॉकर पर अपलोड

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय के 21268 स्टूडेंट्स को अब ID कार्ड के लिए विभागों और प्रशासनिक कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। सत्र 2026-27 में एडमिशन लेने वाले सभी स्टूडेंट्स के QR कोड वाले डिजिटल ID कार्ड डिजिलॉकर पर अपलोड कर दिए गए हैं। स्टूडेंट्स अपने मोबाइल फोन से लॉगिन करके कार्ड देख और डाउनलोड कर सकेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक, इस तरह सभी नवप्रवेशित स्टूडेंट्स के ID कार्ड डिजिलॉकर पर उपलब्ध कराने वाला LU देश का पहला राज्य विश्वविद्यालय बन गया है।

'तिरंगा फहराना और भारत-माता की जय बोलना अपराध है क्या

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने तिरंगा फहराने के मामले में सौरभ दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरा। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भारत में तिरंगा फहराना और भारत माता की जय बोलना अब अपराध है? संजय सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार युवाओं की आवाज दबा रही है।

राजधानी में रोजगार कार्यशाला आयोजित



तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में विज्ञान फाउंडेशन के परिवर्तन प्रोग्राम के तहत किशोरियों को रोजगार, फ्रीलांसिंग, स्वरोजगार और करियर विकास के अवसरों से जोड़ने के लिए वर्कशॉप आयोजित की गई। इसमें 40 किशोरियों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप में जेप्टो, अर्बन कंपनी, जेनेसिस, बैंकिंग, इनोव और ई-कॉमर्स क्षेत्र से जुड़े निजी संस्थानों के एचआर प्रोफेशनल्स और उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उन्होंने किशोरियों को उद्योग जगत की जरूरतों, करियर के विकल्पों और नौकरी पाने के रास्तों की जानकारी दी। कार्यक्रम में किशोरियों को अपनी कौशल क्षमता विकसित करने, विभिन्न करियर विकल्पों को समझने और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

लखनऊ में सफाई कर्मचारी महासंघ का धरना

लखनऊ । लखनऊ में उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी महासंघ 2 नवंबर को 11 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना देगा। मांगें पूरी नहीं होने से सफाई कर्मचारियों में सरकार के प्रति नाराजगी है। उनकी प्रमुख मांगों में नियमितीकरण, आउटसोर्स व्यवस्था समाप्त करना और काम के घंटे निर्धारित करना शामिल है। महासंघ के आंदोलन में अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा और हरियाणा के सफाई कर्मचारी नेता प्रधान जी भी शामिल होंगे। आयोजकों के अनुसार, हरियाणा में 37 दिन तक चली सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के अनुभव और नौकरी की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा होगी। आंदोलन को समर्थन देने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष कमल अग्रवाल और जिला अध्यक्ष अफीफ सिद्दीकी अपने साथियों के साथ सफाई कर्मचारी नेता संतोष बाल्मिकी से मिले।

कारोबारी शिवा के साथ की चैट सामने आई, लिखा था- तुम्हारे साथ बुरा ही होगा

नेपाल बॉर्डर पर मिली मॉडल श्रद्धा की स्कॉर्पियो

तलाश

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । लखनऊ में 28 साल के कारोबारी शिवा शर्मा की हत्या में वॉन्टेड मॉडल श्रद्धा दुबे 5 दिन बाद भी पुलिस की गिरफ्त से दूर है। उसकी कार बुधवार को नेपाल बॉर्डर पर मिली। उसकी लोकेशन भी नेपाल में ट्रेस हुई। वह नेपाल के महीमनगर में घूमती भी दिखी है। इसके बाद पुलिस की 3 टीमें वहां रवाना हो गई हैं।

इस बीच उसकी शिवा के साथ की गई चैट सामने आई है। इसमें श्रद्धा ने शिवा से कहा था कि तुम्हारे साथ बुरा ही होगा। अब तक की जांच में पता चला है कि श्रद्धा 16 अक्टूबर से शुरू होने वाले लखनऊ के सबसे बड़े डांडिया फेस्ट में VVIP गेस्ट बनाई गई थी। जांच के दौरान ये भी पता चला कि श्रद्धा अपना ब्लैकमेलिंग का टारगेट पूरा करने के बाद मोबाइल नंबर बदल लेती थी। अब तक चार नंबर बदल चुकी थी। वहीं, शिवा के परिजनों का आरोप है कि रसूख के चलते आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो रही है। शिवा की मां रंजना ने कहा कि सबसे पहले आरोपियों की गिरफ्तारी होनी चाहिए। इसके बिना उन्हें कुछ भी मंजूर नहीं है। हम पुलिस के लगातार संपर्क में हैं। जांच में सहयोग कर रहे हैं। इससे पहले, मंगलवार को श्रद्धा दुबे, बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर तनवीर अली उर्फ दानिश पर 25-25 हजार का इनाम रखा गया था।

पुलिस का कहना है कि इसके बाद तीनों लगातार लोकेशन बदल रहे हैं। पुलिस की जांच में फिलहाल सामने आ रहा है कि यह लोग महीमनगर में रुके थे और मौजूदा समय में मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं।



रुपईडीहा में मॉडल श्रद्धा दुबे की काली स्कॉर्पियो एन कार खड़ी मिली। इस पर स्पेशल नंबर UP 32 QQ 0111 पड़ा है।

विधायक ने श्रद्धा को बताया था भतीजी

सूत्रों के मुताबिक, जनवरी 2026 में लखनऊ के हजरतगंज थाने में श्रद्धा ने अपने ड्राइवर रिजवान के खिलाफ छेड़खानी का आरोप लगाया था। मामले में पुलिस ने छेड़खानी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा भी दर्ज किया था। इस दौरान प्रयागराज जिले के एक विधायक ने श्रद्धा को अपनी भतीजी बताकर उसकी पैरवी की थी।

बंगाल के 54 कारीगरों ने 3 महीने में बनाया, 18 फीट ऊंची मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित

राम-मंदिर थीम पर सजा 110 फीट ऊंचा पंडाल

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । लखनऊ में दुर्गा पूजा की तैयारियां पूरी हो गई हैं। शहर में कई जगह भव्य पंडाल सजाए गए हैं। जानकीपुरम के सेक्टर-ई स्थित दुर्गा पार्क में शहर का सबसे बड़ा पंडाल तैयार किया गया है। यह पंडाल 110 फीट ऊंचा, 110 फीट गहरा और 110 फीट चौड़ा है। इसमें 18 फीट ऊंची इको-फ्रेंडली मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई है।

आयोजकों के मुताबिक, पंडाल के निर्माण के लिए 17 जुलाई को भूमि पूजन किया गया था। इसके बाद से लगातार काम चल रहा था। पंडाल को तैयार करने के लिए पश्चिम बंगाल से खास कारीगर बुलाए गए। 54 कारीगरों ने दिन-रात मेहनत करके इसे तैयार किया। इसे बनाने में करीब 3 महीने लगे। करीब 2 लाख वर्ग फीट में फैले दुर्गा पार्क में बने इस पंडाल को राम मंदिर की थीम पर तैयार किया गया है। अनिल दुबे ने बताया कि 14 अक्टूबर को शाम 6:30 बजे उत्सव की शुरुआत होगी। इसका समापन 25 अक्टूबर को होगा। करीब 12 दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में 14 अक्टूबर को मां लक्ष्मी का पूजन किया जाएगा। पंडाल को खास तरीके से डिजाइन किया जा रहा है। मां दुर्गा की प्रतिमा के विसर्जन के बाद पीछे रखी मां लक्ष्मी की प्रतिमा सामने आएगी। इसके बाद मां लक्ष्मी का पूजन शुरू होगा। उत्सव की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं।



जानकीपुरम के सेक्टर-ई स्थित दुर्गा पार्क में शहर का सबसे बड़ा पंडाल तैयार किया गया है।

'32 सालों से हो रहा है आयोजन'

उत्सव पूजा समिति के संयोजक सौरभ बंधु उपाध्याय ने बताया कि 1995 से इसकी शुरुआत की थी। यह 32 वां आयोजन है। पहले पंडाल इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे के पास सजता था, लेकिन अब इसे जानकीपुरम शिफ्ट किया गया है। यहां सिर्फ पूजा ही नहीं, बल्कि किड्स जोन, फूड स्टॉल और झूले भी होंगे, ताकि यह महोत्सव हर उम्र के लिए खास बने। उत्सव में आने वाले सभी लोगों की आस्था का विशेष ध्यान रखा जाता है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से जगह जगह सीसीटीवी कैमरे लगेंगे।

पंडाल में 18 फीट ऊंची इको-फ्रेंडली मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इसे बंगाल के कारीगरों ने तैयार किया है। पंडाल बनाने में 20 हजार बांस का इस्तेमाल हुआ है। इनकी लंबाई 5 से 24 फीट तक है। इसके अलावा 7 हजार मीटर कपड़ा, 13 छोटा हाथी थर्माकोल और 300 लीटर पेंट का इस्तेमाल किया गया है।

वेतन की असमानता पर भड़के बॉन्डेड डॉक्टर

प्रदर्शन : समान डिग्री और समान वेतन की मांग





तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में वेतन में असमानता के विरोध में बुधवार को बॉन्डेड डॉक्टरों ने प्रदर्शन किया। गांधी प्रतिमा के बाहर सड़क पर बैठकर डॉक्टरों ने समान वेतन और लंबे समय से लंबित एरियर के भुगतान की मांग उठाई। पुलिस ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया।

प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों ने सवाल उठाया कि जब उनकी डिग्री और सेवाएं समान हैं, तो वेतन में अंतर क्यों किया जा रहा है? उन्होंने सभी पात्र डॉक्टरों के लिए समान वेतन व्यवस्था लागू करने और बकाया एरियर का भुगतान करने की मांग की। डॉक्टरों का कहना है कि वे ग्रामीण क्षेत्रों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) में सेवाएं दे रहे हैं। इसके बावजूद उनके वेतन में अंतर किया जा रहा है।

घटना : घर से पान खाने की बात कहकर निकला, 25 किलोमीटर दूर मिला शव

प्रॉपर्टी डीलर की हत्या, बोरे में भरकर फेंका

तमसा संकेत, संवाददाता





बख्शी का तालाब । लखनऊ के बीकेटी थानाक्षेत्र में एक प्रॉपर्टी डीलर की हत्या कर दी गई। उसका शव गांव के कच्चे रास्ते पर बोरे में भरा मिला। पैर का हिस्सा एक बोरे में और सिर दूसरे बोरे से ढका गया था। युवक का सिर कूंचा हुआ था। सिर, गर्दन, पेट और हथेली में जख्म थे और पूरा शरीर खून से लथपथ था। यह शव 24 घंटे अज्ञात में रहा।

मंगलवार देर शाम मृतक की पहचान परिजनों ने मोर्चरी पहुंचकर की। मोहम्मदपुर रसूलपुर निवासी अरविंद रावत (39) प्रॉपर्टी का काम करते थे। पिता बाराती लाल का देहांत हो चुका है। वह मां चंपा, पत्नी अंजू देवी और बच्चे अनुष्का, निखिल और अखिल के साथ रहते थे। सोमवार को शाम 6 बजे अरविंद घर से पान खाने की बात कहकर निकले थे। जहां शव मिला, वह जगह घर से 25 किमी दूर है। फिर शव सोमवार रात करीब 11:30 बजे बख्शी का तालाब इलाके में अचरामऊ से मलाक जाने वाले कच्चे रास्ते पर मिला। पुलिस ने शव अज्ञात में पोस्टमॉर्टम हाउस भेज दिया। प्रॉपर्टी डीलर की पत्नी मंजू देवी ने पुलिस को शिकायत देकर 4 लोगों पर हत्या का शक जताया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर विंदेश मौर्य, शारिक खान, अमन और अजीज के खिलाफ FIR दर्ज कर ली।

परिजनों ने दोपहर में चौकी में लापता की सूचना दी

देर रात जब वापस नहीं लौटे तो परिवार ने खोजबीन शुरू की। इसके बाद मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे पुलिस इंदिरानगर चौकी पहुंचकर जानकारी दी। सूचना पर पुलिस ने फोटो सर्कुलेट की तो बीकेटी में अज्ञात शव मिलने की सूचना मिली। इसके बाद परिवार को बुलाकर मोर्चरी में शिनाख्त कराई गई। पुलिस के मुताबिक खुर्रमनगर में एक दुकान में पान खाया। इसके बाद एक परिचित सब्जी वाले ने 200 रुपए मांगे। इस पर अरविंद एक डील करने की बात कहकर चला गया।

बाइक नहीं मिली, शव के पास ईंट और बोरे

अरविंद घर से अपनी बाइक से निकला था। खुर्रमनगर से पान खाकर बाइक से ही आगे बढ़ा। घटनास्थल तक अपनी बाइक से पहुंचा या कोई ले गया। इसकी जानकारी पुलिस कर रही है। शव के पास ईंट मिली थी लेकिन प्रॉपर्टी डीलर की बाइक नहीं मिली।

पुलिस पूछताछ में अरविंद के साले संदीप ने बताया कि प्रॉपर्टी को लेकर कई लोगों से विवाद चल रहा था। हालांकि किससे मिलने गए थे इसकी जानकारी नहीं दे सके हैं। पुलिस अब सीडीआर की मदद से अंतिम बार किससे बात की। इसकी जानकारी कर रही है।

लखनऊ में डेंगू के 434 मरीज मिले, अस्पतालों में अलर्ट

सितंबर में सबसे ज्यादा केस, केजीएमयू समेत 4 हॉस्पीटल में अलग वार्ड

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ। लखनऊ में डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, जनवरी से अक्टूबर तक 434 मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई है। सितंबर में सबसे ज्यादा मरीज मिले। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। KGMU, लोहिया संस्थान, बलरामपुर और सिविल अस्पताल में डेंगू मरीजों के लिए अलग वार्ड बनाए गए हैं।

मंगलवार को डेंगू के 2 नए मरीज मिले। इनमें एक चंदरनगर और दूसरा इंदिरानगर का रहने वाला है।

लखनऊ के श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ.देवेश चंद्र पांडेय ने कहा कि बीते कुछ दिनों से डेंगू के केस लगातार सामने आ रहे है। मौजूदा समय डेंगू के पांच मरीज भर्ती है। हालांकि, सभी की हालत स्थिर है। इनमें 3 बच्चे और 2 पुरुष है। मंगलवार को दो नए मरीज भर्ती है। जबकि तीन पहले से भर्ती हैं।

डॉ.देवेश चंद्र पांडेय कहते है कि डेंगू संक्रमितों में बुखार के साथ सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षण सामने आ रहे हैं। पर राहत की बात ये है कि शुरुआती इलाज के बाद मरीज को दवा से राहत मिल रही है।

उन्होंने बताया कि डेंगू मरीजों के लिए 12 बेड रिजर्व किए गए है। इनमें पुरुष मरीजों को भर्ती किया जाना है। इसके अलावा 6 महिला मरीजों के लिए भी बेड रिजर्व किया गया है। साथ ही बच्चों के वार्ड में भी 5 बेड डेंगू के लिए रिजर्व किये गए है।

सीएमओ डॉ.एनबी सिंह के मुताबिक, बरसात के बाद जलभराव से मच्छरों की संख्या बढ़ी है। कूलर, गमलों और छतों पर रखे टायरों में जमा पानी में डेंगू का लार्वा पनप रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें फॉगिंग और लार्वा की जांच कर रही हैं। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने लोगों से घरों के आसपास पानी जमा न होने देने की अपील की है।

ईडी ने धोखाधड़ी और करप्शन का केस कराया, कल जेल में 8 घंटे पूछताछ की थी

आजम खान पर एक और एफआईआर

गड़बड़ी

तमसा संकेत, एजेंसी



रामपुर। सपा नेता आजम खान पर एक और FIR दर्ज कराई गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने जौहर ट्रस्ट और मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़ी वित्तीय गड़बड़ी को लेकर FIR कराई है। FIR ईडी के लखनऊ कार्यालय में तैनात डिप्टी डायरेक्टर पीयूष एस. थ्रोट ने रामपुर के अजीमनगर थाने में दर्ज कराई है।

अजीमनगर थाना प्रभारी ने बताया- FIR में सरकारी पद के गलत इस्तेमाल, धोखाधड़ी और बड़े पैमाने पर करप्शन के आरोप लगाए गए हैं। इसमें रामपुर जेल में बंद सपा नेता आजम के अलावा जौहर अली ट्रस्ट, जौहर यूनिवर्सिटी की बिल्डिंगों के निर्माण से जुड़ी दो कंपनियों एसएसएंडएस इंटरप्राइजेज, एसके चिके प्रा. लि. और एक अज्ञात समेत 5 के नाम हैं।

इससे पहले, लखनऊ से पहुंची 3 अफसरों की ईडी टीम ने मंगलवार को जेल की बैरक नंबर-1 में करीब 8 घंटे तक पूछताछ की थी। ED ने लखनऊ की PMLA कोर्ट (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) से आजम से 4 दिन पूछताछ की इजाजत ली है। पूछताछ 16 अक्टूबर तक चलेगी। सूत्रों के मुताबिक, पहले दिन आजम से जौहर यूनिवर्सिटी और मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट में धांधली को लेकर सवाल किए गए। चंदा कहां-कहां से मिला? पूछा गया। इस पर आजम खान पहले तो बीमारी का बहाना बनाते रहे। बाद में उन्होंने कुछ सवालों के जवाब दिए। एसपी अनिल सिंह सिसोदिया ने बताया- आजम पर दर्ज केस की जांच सीओ टांडा पंकज पंत करेंगे। एफआईआर में उन पर आरोप है कि जौहर विश्वविद्यालय के निर्माण में आई लागत को कम दिखाते हुए अपनी चहेती कंपनियों को सरकारी ठेके दिए गए। इन लोगों ने जौहर अली ट्रस्ट के नाम पर जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण में 78 करोड़ रुपए खर्च दिखाया, जबकि जांच में 494 करोड़ रुपए खर्च होने का खुलासा हुआ। यानी 416 करोड़ का निर्माण कहां से और किसके पैसों से हुआ? इसका कोई हिसाब नहीं है। FIR में बताया गया कि जौहर विश्वविद्यालय आजम का ड्रीम प्रोजेक्ट है। जौहर विश्वविद्यालय ट्रस्ट के सदस्य भी ज्यादातर उनके करीबी और घर के लोग हैं। जिसमें पत्नी तंजीन फातिमा, बेटा और बहन समेत उनके कई करीबी हैं। पिछले दो सप्ताह में सपा के विधायक नसीर खान, आजम के बेटे के दोस्त अनवर सालिम और अन्य लोगों के बयान लखनऊ में ईडी ने बुलाकर दर्ज किए। इनके बयानों के बाद ही आजम खान से जेल में पूछताछ की जा रही है।

लखनऊ से पहुंचे थे 3 अफसर, सीधे आजम की बैरक में गए

ED के 3 अफसर एक गाड़ी से सुबह 9:10 बजे लखनऊ से रामपुर की जिला जेल पहुंचे। जेल के रजिस्टर में एंट्री कराने के बाद सीधे आजम की बैरक में चले गए। उनसे जौहर विश्वविद्यालय और ट्रस्ट को मिले करोड़ों के चंदे, निर्माण कार्यों पर खर्च की गई रकम के बारे में सवाल किए। इससे पहले जांच एजेंसी वित्तीय लेन-देन और रकम के इस्तेमाल के आपस में लिंक को लेकर आजम से जुड़े कई लोगों से पूछताछ कर चुकी है। इनमें उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) दीपक गोयल, जौहर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. जहीरुद्दीन, सपा विधायक नसीर अहमद खान और ठेकेदार सलीम शामिल हैं। एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि ट्रस्ट को करोड़ों रुपये की धनराशि कहां से मिली। इसे किन तरीकों से विश्वविद्यालय तक पहुंचाया गया। जांच के दौरान संबंधित कंपनियों, फर्मों, ठेकेदारों और ट्रस्ट के बीच हुए लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों की भी पड़ताल की जा रही है।

अगस्त में 10 ठिकानों पर हुई थी छापेमारी

ईडी ने 19 अगस्त को रामपुर, सहारनपुर और दिल्ली में जौहर ट्रस्ट, विश्वविद्यालय और आजम खान से जुड़े 10 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान वित्तीय लेन-देन, चंदे और निर्माण कार्यों से जुड़े दस्तावेजों की जांच की गई थी। इसके बाद एजेंसी ने मामले से जुड़े लोगों से पूछताछ कर जांच आगे बढ़ाई।



आजम खान से जेल के अंदर पूछताछ की जा रही है।

कानपुर में सड़कों की मरम्मत में लापरवाही पर डीएम नाराज

रात 11 बजे सड़कों का निरीक्षण किया

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर की सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के लिए चल रहे पैचवर्क कार्यों में लापरवाही और देरी पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई है। मंगलवार रात 11 बजे जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर, नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय और मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन ने शहर के अलग-अलग इलाकों में चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया।

इस दौरान फूलबाग मल्टीलेवल पार्किंग के पास और पनचक्की चौराहे के नजदीक काम में देरी और अधूरे कार्य देखकर डीएम ने नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित विभागों को गुणवत्ता मानकों का पालन करते हुए लंबित काम समय से पूरा करने को कहा। पनचक्की चौराहे के पास सड़क पर छोड़े गए अधूरे हिस्से और जलकल विभाग की ओर से खोदे गए गड्ढे को तुरंत ही भरने का आदेश दिया गया।



निरीक्षण के दौरान जोन-2 के कृष्णा नगर क्षेत्र में पैचवर्क कार्यों की स्थिति देखी गई। मौके पर कई जगह विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। जोन-2 में कुल 186 पैचवर्क कार्य चिह्नित किए गए हैं। इनमें से पूरे हो चुके 56 कार्यों का जिलाधिकारी स्तर से परीक्षण कराया जाएगा। इसके जरिए मरम्मत कार्यों की गुणवत्ता की जांच भी की जाएगी।

फूलबाग मल्टीलेवल पार्किंग के नजदीक लोक निर्माण विभाग की ओर से कराए जा रहे कार्य का भी निरीक्षण किया गया।

फास्ट न्यूज

आगरा में 8 इंच की पाइपलाइन फटी

आगरा। आगरा के कोठी मीना बाजार तिराहे पर पक्षीघर के पास मंगलवार शाम सिकंदरा वाटरवर्क्स से शाहगंज जाने वाली 8 इंच की मुख्य पाइपलाइन फट गई। इससे सड़क पर लाखों लीटर गंगाजल बह गया और सीएम ग्रिड योजना के तहत खुदाई वाली जगह धंस गई। लाइन टूटने से सड़क पर पानी भर गया और शाम से रात तक जाम लगा रहा। मंगलवार रात मरम्मत शुरू होने के बावजूद बुधवार दोपहर तक सप्लाई बहाल नहीं हो सकी।

90 करोड़ के कन्वेंशन सेंटर पर मेयर-नगर आयुक्त में ठनी

कानपुर । कानपुर में एक बार फिर से मेयर और नगर आयुक्त आमने-सामने आ गए हैं। अब मामला 90 करोड़ के कन्वेंशन सेंटर के संचालन और रखरखाव के टेंडर को लेकर है।

9 अक्टूबर को हुई कार्यकारिणी की बैठक में महापौर ने कन्वेंशन सेंटर का टेंडर निरस्त करने का फैसला होने की बात कही थी। वहीं, अभी भी नगर आयुक्त का कहना है कि कंपनी के साथ एमओयू और एग्रीमेंट पर साइन हो चुके हैं। अब हैंडओवर की प्रक्रिया पूरी कराकर जल्द संचालन शुरू कराने की तैयारी है।

अभिनेत्री कंगना केस में रिविजन पर हुई बहस

आगरा। किसानों के खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणी के मामले में भाजपा सांसद कंगना रणौत के खिलाफ दाखिल रिवीजन पर मंगलवार को आगरा जिला अदालत में सुनवाई हुई। वादी पक्ष ने पुलिस की जांच रिपोर्ट और कंगना का बयान दर्ज नहीं किए जाने पर सवाल उठाए। जिला शासकीय अधिवक्ता (डीजीसी) ने जवाब दाखिल करने और बहस के लिए समय मांगा।

रोहतांग में खाईं में गिरकर गाजियाबाद के छात्र की मौत

फोटो खिंचवाने के दौरान पैर फिसलने से हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी



मनाली। हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल रोहतांग दर्रे में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। मनाली घूमने आए गाजियाबाद के स्कूली छात्रों के दल में शामिल 11वीं कक्षा का एक छात्र फोटोग्राफी के दौरान हादसे का शिकार हो गया। पहाड़ी के किनारे फोटो खिंचवाते समय अचानक संतुलन बिगड़ने और पैर फिसलने से छात्र सैकड़ों फीट गहरी खाई में जा गिरा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक की पहचान 17 वर्षीय रुद्र कुमार, पुत्र पुष्पेंद्र कुमार, निवासी जी-373, जसवंत विहार, आकाश नगर, इंदरगढ़ी, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई। वहां गाजियाबाद के ब्राइटलैंड स्कूल में कामर्स विषय में 11 वीं का छात्र थाष। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित ब्राइटलैंड स्कूल (गोविंदपुरम) के कक्षा 11वीं (कॉमर्स) के विद्यार्थियों का एक समूह मनाली घूमने आया हुआ था। मनाली के विभिन्न पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने के बाद मंगलवार सुबह छात्रों का यह दल बर्फ से ढके रोहतांग दर्रे की सैर के लिए निकला था।

रोहतांग पास में सभी बच्चे प्राकृतिक वादियों की तस्वीरें खींच रहे थे। इसी दौरान 17 वर्षीय छात्र रुद्र कुमार photo खिंचवाने के लिए पहाड़ी (ढांक) के बिल्कुल किनारे चला गया। तभी अचानक पैर फिसलने से वह नीचे गहरी खाई में जा गिरा।

राहुल गांधी करेंगे बात, कौन अध्यक्ष' से शुरू हुआ था विवाद, नुप्रिया पटेल के साथ जाने की अटकले

ममता चौधरी विवाद के बाद दिल्ली तलब हुए अजय राय

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाए गए अजय राय और महिला कांग्रेस नेता ममता चौधरी के बीच विवाद के बाद यूपी कांग्रेस में गुटबाजी चरम पर पहुंच चुकी है। अजय राय नाराज होकर घर बैठ गए हैं। बताते हैं कि उन्होंने अपना मोबाइल तक बंद कर लिया है। उनके अनुप्रिया पटेल के साथ जाने की अटकले भी लगाई जा रही हैं। डैमेज कंट्रोल करने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने अजय राय को दिल्ली बुलाया है। वे राहुल गांधी और कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर अपना पक्ष रखेंगे। लखनऊ स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में हुई मारपीट और दिल्ली में राहुल गांधी के मार्च से अजय राय की दूरी के बाद यह मुलाकात अहम मानी जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, अजय राय के मुख्यालय पहुंचने पर उनके समर्थकों ने भीड़ से रास्ता देने को कहा। इसी दौरान कथित तौर पर ममता चौधरी ने सवाल किया—'कौन अध्यक्ष?' इसके बाद दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर समर्थकों के बीच धक्कामुक्की और मारपीट हुई। ममता चौधरी ने आरोप लगाया कि अजय राय ने उनके साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और उनके समर्थकों ने मारपीट की। वहीं, अजय राय ने इन आरोपों को खारिज करते हुए ममता चौधरी पर ही अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने पार्टी नेतृत्व से शिकायत कर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। विवाद की जांच के लिए कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने पांच सदस्यीय समिति बनाई है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है।

अजय राय को हाल ही में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाकर आराधना मिश्रा 'मोना' को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके बाद से उनके अगले कदम को लेकर चर्चाएं चल रही थीं। राहुल गांधी के दिल्ली मार्च में शामिल नहीं होने के बाद इन अटकलों को और हवा मिली।



पदभार संभालने पहुंची आराधना मिश्रा मोना को बुके देकर अजय राय ने बधाई दी थी।

11 अक्टूबर को हुआ था कांग्रेस मुख्यालय में विवाद

दरअसल, 11 अक्टूबर को नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' के पदभार ग्रहण समारोह के दौरान कांग्रेस मुख्यालय में अजय राय और ममता चौधरी के बीच विवाद हो गया था। देखते ही देखते दोनों पक्षों के समर्थक आमने-सामने आ गए। मामला कहासुनी से बढ़कर हाथापाई तक पहुंच गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर अभद्रता और दुर्व्यवहार के आरोप लगाए।

खुद बुलानी पड़ी एंबुलेंस, 9 छात्र भूख हड़ताल पर बैठे, 150 से ज्यादा का समर्थन

बरेली के आईवीआरआई में धरना दे रही छात्रा हुई बेहोश

तमसा संकेत, एजेंसी



बरेली । बरेली के इज्जतनगर स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (IVRI) में स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर छात्रों का धरना मंगलवार को 9वें दिन भी जारी रहा। आंदोलन के दौरान भूख हड़ताल पर बैठे छात्र-छात्राओं की संख्या बढ़कर 9 हो गई है। 150 से ज्यादा छात्र उनके समर्थन में धरना दे रहे हैं।

मंगलवार शाम अनशन पर बैठी एक छात्रा अचानक बेहोश होकर गिर गई। छात्रों का आरोप है कि संस्थान की ओर से मेडिकल सहायता नहीं मिली, जिसके बाद उन्हें खुद एंबुलेंस बुलानी पड़ी। डॉक्टरों ने छात्रा को प्राथमिक उपचार और दवा दी। इसके बाद वह फिर धरना स्थल पर लौट आई। हरियाणा से आए छात्रों ने बताया कि लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (LUVAS) में इंटर्नशिप के दौरान करीब 24,310 रुपये अलाउंस मिलता है। छात्रों ने वेटरनरी काउंसिल ऑफ इंडिया (VCI) के मानकों का हवाला देते हुए कहा कि इंटर्नशिप के दौरान जरूरी भत्ते और सुविधाएं मिलनी चाहिए। छात्रों का कहना है कि IVRI में उन्हें रहने और खाने का खर्च भी खुद उठाना पड़ रहा है। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और लद्दाख समेत कई राज्यों के छात्र पूरे 12 महीने के लिए 25 हजार रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड की मांग कर रहे हैं।

छात्रों ने कहा कि हॉस्टल खाली कराने के निर्देश और नोटिस मिलने के बावजूद वे आंदोलन खत्म नहीं करेंगे। उनका दावा है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे हैं और इमरजेंसी सेवाओं में बाधा नहीं डाल रहे हैं।



वेटरनरी एसोसिएशन ने किया समर्थन, हाईकोर्ट जाने की सलाह

आंदोलन के 9वें दिन यूपी वेटरनरी एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार धरना स्थल पहुंचे। उन्होंने अनशन कर रहे छात्र-छात्राओं से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और समर्थन दिया। उन्होंने छात्रों को संबंधित क्षेत्राधिकार वाले हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करने का सुझाव भी दिया।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना है कि कई छात्र एलर्जी, सिरदर्द और बुखार से परेशान हैं। उन्होंने सुबह से ही मेडिकल टीम उपलब्ध कराने की मांग की थी, लेकिन उनके मुताबिक संस्थान और आईसीएआर की ओर से कोई सहायता नहीं मिली। छात्रों ने आरोप लगाया कि प्रशासन उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करने के बजाय आंदोलन को दबाने की कोशिश कर रहा है।

950 से ज्यादा शिक्षा प्रेरकों का मानदेय बकाया

6 माह पहले जमा हुए बैंक खाते, लोक जनशक्ति पार्टी ने दी चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी



मैनपुरी । साक्षर भारत मिशन योजना के तहत जिले में तैनात रहे 950 से अधिक शिक्षा प्रेरकों के बकाया मानदेय का मामला फिर गरमा गया है। बुधवार की दोपहर करीब 3:30 बजे लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने डीएम ऑफिस पहुंचकर शिक्षा प्रेरकों के करीब 40 माह के बकाया मानदेय का भुगतान कराने की मांग उठाई है।

पार्टी के जिलाध्यक्ष पवन कठेरिया ने 14 अक्टूबर को जिलाधिकारी को संबोधित पत्र देकर जल्द भुगतान कराने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं होने पर पार्टी शिक्षा प्रेरकों के हक के लिए संवैधानिक दायरे में रहकर लड़ाई लड़ेगी।

पार्टी की ओर से दिए गए पत्र में बताया गया कि वर्ष 2009-10 में साक्षर भारत मिशन योजना के तहत मैनपुरी जिले में 950 से अधिक शिक्षा प्रेरकों की नियुक्ति की गई थी। इन्हें 2 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय दिया जाता था। मार्च 2018 में बिना किसी नोटिस के इनकी संविदा समाप्त कर दी गई। इसके साथ ही करीब 40 माह का मानदेय भी बकाया रह गया, जिसका भुगतान अब तक नहीं हो सका है। जिलाध्यक्ष पवन कठेरिया ने पत्र में कहा कि मुख्यमंत्री के आदेश के क्रम में करीब छह माह पहले सभी प्रभावित शिक्षा प्रेरकों से उनके बैंक खातों का विवरण जमा कराया जा चुका है।

पृष्ठ 01 का शेष...

11.40 लाख रेलवे ...

कर्मचारियों को मिलने वाला वास्तविक बोनस उनकी पात्रता और लागू नियमों के आधार पर अलग हो सकता है।

रेलवे के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में 1,670 मिलियन टन माल की ढुलाई की गई, जो उस साल का रिकॉर्ड था। इस दौरान रेलवे से करीब 7.41 अरब यात्रियों ने सफर किया।

रेल मंत्री ने कहा कि बोनस का मकसद कर्मचारियों को उनकी मेहनत के लिए प्रोत्साहित करना और रेलवे के कामकाज को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करना है।

नई व्यवस्था में पेंशन के लिए बेंचमार्क दिव्यांगता की सीमा 80% से घटाकर 40% कर दी गई है। इससे पात्रता की शर्तें पूरी करने वाले अधिक दिव्यांग लोग योजना के दायरे में आ सकेंगे।

पति को मारकर नीले-...

सजा सुनाने से पहले जेल में बंद मुस्कान और साहिल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जोड़ा गया। मुस्कान रस्तोगी और साहिल फूट-फूटकर रोने लगे। जज ने मुस्कान से पूछा- तुम अपने पति सौरभ राजपूत की हत्या में दोषी हो, क्या सजा चाहती हो? उसने जवाब दिया- मेरी बच्चियों का ख्याल रखा जाए। फिर वह खामोश हो गई। इसके बाद साहिल से यही सवाल पूछा गया, तो वह चुप रहा। सजा के ऐलान के बाद सौरभ की मां रो पड़ीं। कहा- शांति से न्याय मिल गया। सौरभ राजपूत की हत्या 3 मार्च, 2025 को हुई थी। मुस्कान और साहिल ने सबूत मिटाने के लिए सौरभ के शव को 5 टुकड़ों में काटकर नीले ड्रम में भर दिया था। इसके बाद उस पर सीमेंट का घोल डाल दिया था।

सरकारी वकील ...

वहां से स्वीकृति मिलने के बाद दोनों को फांसी की तारीख मुकर्रर होगी और फिर फांसी होगी। इस प्रक्रिया में 2 से 3 साल का समय भी लग सकता है। यह भी हो सकता है कि मुस्कान और साहिल की हाईकोर्ट या फिर सुप्रीम कोर्ट से फांसी की सजा कैंसल हो जाए। राष्ट्रपति के यहां से दया याचिका डालकर फांसी पर माफी मिल जाए।

अखिलेश ने ...

भाजपा ने हर समाज को प्रतिनिधित्व देते हुए उन्हें राज्यसभा में भेजा।

सीएम ने कहा- हो गया ना 'परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी' और 'पराया धन अपना', दोनों साबित हो गए। यही सपा की सच्चाई है। यूपी में भर्तियों में पारदर्शिता है, निष्पक्षता है। क्या यही ईमानदारी, ऐसी ही निष्पक्षता सपा की सरकार में थी। एक आयोग का अध्यक्ष अनिल यादव को बना दिया था, जो उसके योग्य ही नहीं था।

उत्तर प्रदेश पब्लिक सर्विस कमीशन में एक बार एक ऐसा व्यक्ति टॉप किया था जो हाईस्कूल, इंटर, बीए में थर्ड डिवीजन पास है। उसे सपा ने टॉप बना दिया। अराजकता और गुंडागर्दी थी।

योगी ने आरोप लगाया कि सपा सरकार में भर्ती आयोगों और बोर्डों पर सैफई सिंडिकेट का कब्जा था। चाचा-भतीजे की जोड़ी वसूली के लिए निकलती थी। वर्ष 2017 में बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों के 1.60 लाख पद खाली थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने नियुक्तियां कीं और सेवानिवृत्ति से रिक्त होने वाले पदों पर भी भर्ती जारी है। प्रदेश में साढ़े नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं। अगले छह महीने में एक लाख और नियुक्तियां देने का संकल्प है। बुधवार को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती में 32 हजार युवाओं का परिणाम घोषित हुआ है। योगी ने कहा कि विधान परिषद में ऐसा प्रतिनिधि होना चाहिए, जो शिक्षकों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से सरकार के सामने रख सके। उन्होंने उच्चतम न्यायालय के टीईटी संबंधी निर्णय के बाद पुराने शिक्षकों के लिए विशेष टीईटी की व्यवस्था करने का उल्लेख किया। कहा कि बेसिक से विश्वविद्यालय स्तर तक के शिक्षकों को पांच लाख रुपये की स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई गई है। स्ववित्त-पोषित संस्थानों के शिक्षक भी इसमें शामिल हैं। वित्तपोषित विद्यालयों के शिक्षकों के लिए 40 लाख से डेढ़ करोड़ रुपए तक के बीमा कवर का भी उन्होंने उल्लेख किया।

तमिलनाडु सरकार ...

सरकार की ओर से पेश एडवोकेट जनरल विजय नारायण ने कहा कि मार्च की अनुमति देने के लिए भारी पुलिस बल तैनात करना होगा, जबकि त्योहारों के दौरान पुलिस अन्य जिम्मेदारियों में भी व्यस्त रहती है। जुलूसों से खरीदारी करने आए लोगों और आम जनता को परेशानी हो सकती है।

नारायण के पुराने आपराधिक मामलों का जिक्र करने पर जस्टिस लक्ष्मीनारायणन ने RSS जुलूसों के कारण हुई हिंसा के ठोस उदाहरण मांगे। उन्होंने पूछा कि ऐसी हिंसा से जुड़े आपराधिक मामले कहां हैं। कोर्ट ने संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल करने की मांग करने वाले नागरिकों के प्रति राज्य के रवैये पर भी चिंता जताई।

संगठन की ओर से वरिष्ठ वकील एनएल राजा ने कहा कि पुलिस हर साल अनुमति देने से इनकार करती है, जिसके बाद संगठन को कोर्ट आना पड़ता है। 2024 में भी RSS को मार्च की अनुमति नहीं मिली थी और संगठन को कोर्ट का रुख करना पड़ा था।

राज्य की ओर से एडवोकेट जनरल विजया नारायण ने कहा कि प्रस्तावित स्थल सार्वजनिक सभा के लिए अधिसूचित नहीं है, इसलिए अनुमति रोकी गई है।

राहुल यूथ प्रोटेस्टर्स ...

राहुल गांधी ने छात्रों से घटनाओं के वीडियो और दूसरे सबूत सुरक्षित रखने को कहा। उन्होंने कहा कि इन सबूतों के आधार पर पुलिसकर्मियों से लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त तक, जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जाएगी।

अभिजीत दीपके बुधवार दोपहर दिल्ली पहुंचे। वे जंतर-मंतर जा सकते हैं। वे दादी के निधन के बाद अपने घर नागपुर गए थे।

राहुल गांधी ने कहा, 'ये हिंदुस्तान है, अमित शाह जी यहां कोई हिंदू-मुस्लिम नहीं है, इनकी कोई जात नहीं है। आप इस आवाज के सामने खड़े नहीं हो सकते। स्टूडेंट्स से कहना चाहता हूं। आप वीडियो बनाकर रखिए। उन सबूतों को हम रखेंगे।'

कॉकरोच पार्टी ...

तीनों को 11 अक्टूबर को दिल्ली कैंट की विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया था। इसके बाद उन्हें 50-50 हजार रुपए के जमानती मुचलके पर रिहा कर दिया गया।

रिहाई की शर्त के मुताबिक, तीनों को एक साल तक शांति बनाए रखनी थी, ऐसा कोई काम नहीं करना था, जिससे शांति भंग हो। इसके लिए बॉन्ड साइन करने की बात सामने आई थी।

केंद्र सरकार ने 12 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थल की लिस्ट से हटा दिया। इसे 33 साल पहले प्रदर्शन की जगहों में शामिल किया गया था। यहीं पर अन्ना आंदोलन, पहलवानों का प्रदर्शन, कॉकरोच पार्टी का धरना हुआ था।

गृह मंत्रालय की बनाई कमेटी की सिफारिश पर दिल्ली का रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और पूर्वी दिल्ली का CBD ग्राउंड प्रदर्शन स्थल बनाए गए हैं। CJP ने 12 अक्टूबर को ही CEC ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और SIR पर रोक की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की परमिशन मांगी थी, लेकिन पुलिस ने इनकार कर दिया था।

राहुल बोले- तिरंगा ...

जंतर-मंतर भारत के लोगों का है। हम इसे वापस लेंगे।

CJP फाउंडर अभिजीत दीपके- अगर सरकार देश में इमरजेंसी लगाना चाहती है तो खुलकर आधिकारिक तौर पर लगाए। यह अघोषित इमरजेंसी क्यों?

शतक लगाने का फायदा मिला, अब टॉप-4 में 3 भारतीय, पाकिस्तानी कप्तान नंबर-3 पर हैं

अय्यर टी-20 बैटर्स की रैंकिंग में चौथे नंबर पर आए

मुकाबला

- भारत के रवींद्र जडेजा टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में पहले नंबर पर बने हुए हैं। साउथ अफ्रीका के वियान मुल्डर एक स्थान ऊपर चढ़कर चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं।



नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टी-20 कप्तान श्रेयस अय्यर ICC की ताजा टी-20 बैटर्स रैंकिंग में चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने 3 स्थान की छलांग लगाई है। 31 साल के अय्यर वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में शतक लगाने का फायदा मिला। अय्यर ने लखनऊ में टी-20 इंटरनेशनल करियर का पहला शतक लगाया था।

वहीं, ईशान किशन रैंकिंग में पहले और अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर हैं। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान तीसरे स्थान पर हैं। इस तरह टॉप-4 में भारत के 3 बल्लेबाज शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने डरबन में साउथ अफ्रीका को पहले टेस्ट में 214 रन से हराया। इसके बाद टेस्ट रैंकिंग में कई खिलाड़ियों को फायदा हुआ।

ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू रेनशॉ ने पहली पारी में 190 और दूसरी पारी में 82 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस प्रदर्शन के दम पर वह बल्लेबाजों की रैंकिंग में संयुक्त रूप से 49वें नंबर पर पहुंच गए।

बॉलिंग रैंकिंग में अक्षर पटेल 9वें नंबर पर

टी-20 बॉलिंग रैंकिंग में भारत के अक्षर पटेल 649 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 9वें नंबर पर हैं। वे टॉप-10 में शामिल इकलौते भारतीय गेंदबाज हैं। अफगानिस्तान के राशिद खान 720 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर बने हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा 700 पॉइंट्स के साथ दूसरे और इंग्लैंड के आदिल राशिद 695 पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर हैं। पाकिस्तान के अबरार अहमद भी 695 पॉइंट्स के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं।

रोस्टन चेज टी-20 ऑलराउंडर्स में तीसरे नंबर पर

वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेज को टी-20 इंटरनेशनल गेंदबाजों और ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में फायदा हुआ है। वे गेंदबाजों की रैंकिंग में 24 स्थान ऊपर चढ़कर 23वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में 2 स्थान की छलांग लगाकर तीसरे नंबर पर आ गए हैं। भारत के हार्दिक पंड्या 204 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 8वें नंबर पर हैं।

ICC टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग

रैंक	खिलाड़ी	टीम	रेटिंग अंक
1	ईशान किशन	भारत	904
2	अभिषेक शर्मा	भारत	891
3	साहिबजादा फरहान	पाकिस्तान	883
4	श्रेयस अय्यर	भारत	798
5	हैरी ब्रूक	इंग्लैंड	793
6	जोस बटलर	इंग्लैंड	789
6	डेवाल्ड ब्रेविस	साउथ अफ्रीका	789
8	फिल सॉल्ट	इंग्लैंड	775
9	तिलक वर्मा	भारत	731
10	पथुम निसांका	श्रीलंका	720

इससे पहले वह टॉप-100 से बाहर थे।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को भी फायदा हुआ है। उन्होंने दूसरी पारी में 49 रन देकर 6 विकेट लिए। इसके बाद वह 2 स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए। मिचेल स्टार्क गेंदबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर बने हुए हैं।

वेस्टइंडीज टी-20 मैच से पहले सूर्यवंशी बोले- इंतजार में हूं

नई दिल्ली, एजेंसी



- रेत घड़ी की इमोजी भी लगाई पूर्व कोच बोले- सीरीज जीत लें, फिर मौका दें
- वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू किया था नायर बोले- आखिरी मैच में वैभव को मौका दें

15 साल के भारतीय ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी-20 मैच से पहले इंस्टाग्राम पर 2 फोटो पोस्ट की। सूर्यवंशी ने कैप्शन में लिखा, 'स्टे सीटेड' यानी इंतजार में हूं। उन्होंने बवंडर और रेत घड़ी के इमोजी भी लगाए। वैभव को 5 मैच की इस टी-20 सीरीज में खेलने का एक भी मौका नहीं मिला है। भारत-वेस्टइंडीज का चौथा टी-20 आज शाम 7 बजे से खेला जाएगा।

वैभव सूर्यवंशी ने 4 जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वे अब तक खेले 8 मैचों में 186.36 के स्ट्राइक रेट से 246 रन बना चुके हैं। वैभव के नाम 2 अर्धशतक भी शामिल हैं।

भारत के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, 'मैं चाहता हूं कि भारत 3-1 की बढ़त बना ले और आखिरी मैच में सूर्यवंशी खेलें।' भारत ने सीरीज का पहला मुकाबला 8 विकेट से जीता था। दूसरे टी-20 में टीम को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद भारत ने तीसरे मैच में वापसी करते हुए 14 रन से जीत दर्ज की।

श्रीलंका ने पाकिस्तान को क्लीन स्वीप से रोका

तीसरे टी-20 में 8 विकेट से हराया, मेंडिस की फिफ्टी, शनाका को 3 विकेट

रावलपिंडी, एजेंसी



श्रीलंका ने मंगलवार को तीसरे टी-20 मैच में पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया। इसी के साथ उसने पाकिस्तान को 3 मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप करने से रोक लिया।

रावलपिंडी में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। पाकिस्तान के 20 ओवर में 8 विकेट पर 168 रन का स्कोर बनाया। जवाब में श्रीलंका ने 17.1 ओवर में 2 विकेट पर लक्ष्य हासिल करके जीत दर्ज की। श्रीलंकाई कप्तान कुसल मेंडिस ने 48 गेंदों पर नाबाद 87 रन बनाए। जबकि, गेंदबाज दासुन शनाका ने 3 विकेट झटके। मेंडिस प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। जबकि, साहिबजादा फरहान को प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट चुना गया।

पहले बल्लेबाजी कर रही पाकिस्तान के कप्तान साहिबजादा फरहान ने 47 गेंदों पर 76 रन बनाकर फिफ्टी लगाई। उनके अलावा, अराफात मिन्हास ने 8वें नंबर पर उतरकर नाबाद 34 रन बनाए। ईशान मलिंगा ने पाकिस्तान को शुरुआती झटका दिया। उन्होंने खतरनाक बल्लेबाज फखर जमां को तेज गेंदबाज के पहले ही ओवर की पहली गेंद पर शॉर्ट थर्ड पर कैच कराया। फखर जमां 12 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मलिंगा ने माज सदाकत को 3 गेंदों पर शून्य के स्कोर पर आउट किया। श्रीलंका के लिए शनाका के अलावा, ईशान मलिंगा और नुवान थुषारा ने 2-2 विकेट लिए। 169 रन का टारगेट चेज कर रही श्रीलंका के सिनेत जयवर्धने ने पावरप्ले में तेज गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने 38 रन बनाए। श्रीलंका को लाहिरू उदारा के रूप में झटका लगा। वह मोहम्मद इमरान की पहली गेंद पर आउट हुए। इसके बाद कुसल मेंडिस ने कामिंदु मेंडिस के साथ मिलकर रनचेज को संभाला। दोनों ने 55 गेंदों पर 98 रन की मैच जिताऊ साझेदारी की। कामिंदु मेंडिस 27 गेंदों पर 40 रन बनाकर नाबाद रहे। कुसल मेंडिस ने अपनी पारी में 9 चौके और 4 छक्के लगाए। पाकिस्तान के मोहम्मद इमरान और अराफात मिन्हास ने एक-एक विकेट लिए।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए वनडे-टेस्ट स्क्वॉड जारी होने हैं, भारतीय टी-20 टीम घोषित

प्रसिद्ध, हर्षित, पंत की फिटनेस से अटका टीम सिलेक्शन



नई दिल्ली। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और ऋषभ पंत की फिटनेस के कारण न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत की टेस्ट और वनडे टीम का सिलेक्शन अटका हुआ है।

TOI ने दावा किया है कि सिलेक्टर्स इन प्लेयर्स की फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। चयन समिति टीम घोषित करने में आखिरी समय तक इंतजार कर सकती है। दोनों टीमों को 28 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के लिए रवाना होना है।

वनडे सीरीज 4 नवंबर से शुरू होगी। दो टेस्ट की सीरीज 19 नवंबर से खेली जाएगी। बता दें 22 अक्टूबर से शुरू हो रहे दौरे के लिए भारतीय टी-20 टीम का ऐलान किया जा चुका है।

पिछले कुछ समय में CoE और सिलेक्शन कमेटी के समन्वय पर सवाल उठे थे। इसके बाद CeO प्रमुख VVS लक्ष्मण को सिलेक्शन मीटिंग में मौजूद रहने को कहा गया था। पिछले कुछ समय में CoE और सिलेक्शन कमेटी के समन्वय पर सवाल उठे थे। इसके बाद CeO प्रमुख VVS लक्ष्मण को सिलेक्शन मीटिंग में मौजूद रहने को कहा गया था। चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट हर्षित राणा को दोनों फॉर्मेट में शामिल करना चाहते हैं। उन्हें नंबर 8 पर बल्लेबाजी करने वाले तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर सही विकल्प माना जा रहा है।

प्रसिद्ध कृष्णा को टेस्ट और ODI, दोनों में तेज गेंदबाजी आक्रमण का प्रमुख सदस्य माना जा रहा है। वहीं, दो टेस्ट की सीरीज में ऋषभ पंत बल्लेबाजी की मुख्य कड़ी होंगे। प्रसिद्ध कृष्णा को 30 सितंबर को गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरा ODI बीच में छोड़ना पड़ा था। उन्हें तीन हफ्ते का समय दिया गया।



फिटनेस की मंजूरी देने में सतर्क सीईओ

सूत्रों के मुताबिक, BCCI का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस रिहैब के बाद खिलाड़ियों को फिटनेस मंजूरी देने में CoE सावधानी बरत रहा है। पंत और प्रसिद्ध की चोट पहली नजर में गंभीर नहीं लगती।

सूत्र ने कहा, 'CoE कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। इसी वजह से दोनों खिलाड़ियों को वहां पहुंचने पर तीन-तीन हफ्ते का समय दिया गया।'

मनोरंजन



नीचे खड़ी वैन से कार टकराई ■ घटना का वीडियो आया सामने

इमरान हाशमी की फिल्म के सेट पर पलटी एसयूवी

नई दिल्ली। इमरान हाशमी की अपकमिंग फिल्म गनमास्टर G9 के सेट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा। इसमें हवा में पलटी SUV नीचे खड़ी वैन पर गिरती दिख रही है।

वीडियो में आउटडोर सेट पर एक कार स्टंट नजर आ रहा है। हालांकि मेकर्स ने अब तक नहीं बताया कि यह सब प्लान किया गया था या स्टंट के दौरान हादसा हो गया।

हादसे में अभी तक किसी के घायल होने की खबर नहीं है। वीडियो में SUV के नीचे गिरते ही क्रू मेंबर्स और आसपास मौजूद लोग उसकी ओर भागते दिखते हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि जब क्रेन का मैकेनिज्म फेल हुआ और हवा में घूम रही SUV नीचे गिरी, तब इमरान हाशमी वहीं जमीन पर खड़े थे। वह गाड़ी उनके चेहरे से महज एक फीट (या कुछ इंच) की दूरी पर आकर नीचे खड़ी वैन से टकराई। हालांकि, वीडियो में इमरान हाशमी क्लियर नहीं दिख रहे हैं। न ही इसकी आधिकारिक तौर पर पुष्टि हो पाई है कि वह वहां मौजूद थे।वीडियो में इमरान हाशमी के फिल्म गनमास्टर G9 के लुक जैसा एक शख्स नजर आ रहा है। हालांकि, दूर होने के कारण उसका चेहरा साफ नहीं दिख रहा। वीडियो में इमरान हाशमी के फिल्म गनमास्टर G9 के लुक जैसा एक शख्स नजर आ रहा है। हालांकि, दूर होने के कारण उसका चेहरा साफ नहीं दिख रहा। गौरतलब है कि इमरान हाशमी इन दिनों गनमास्टर G9 की शूटिंग कर रहे हैं। सेट से सामने आए इस वीडियो में सड़क पर स्टंट की तैयारी दिखाई गई है।





■ वीडियो में इमरान हाशमी के फिल्म गनमास्टर G9 के लुक जैसा एक शख्स नजर आ रहा है। हालांकि, दूर होने के कारण उसका चेहरा साफ नहीं दिख रहा।

फिल्म में ये कलाकार हैं

फिल्म गनमास्टर G9 में इमरान हाशमी ईश्वर का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में जेनेलिया डिसूजा आरती और अपारशक्ति खुराना देसू के रोल में हैं।

फिल्म की कहानी सरीम मोमिन और जुनैद वासी ने लिखी है। आदित्य दत्त इसके डारेक्टर हैं। गनमास्टर G9 में इमरान हाशमी और हिमेश रेशमिया फिर साथ आए हैं। फिल्म की कहानी एक ऐसे प्रेमी की है, जो अपनी पसंद की महिला के साथ रहने के लिए बेहद कदम उठाता है। इस दौरान उसका सामना एक खतरनाक दुश्मन से होता है। दीपक मुकुट, हुनर मुकुट और संगीता अहीर फिल्म के निर्माता हैं। ये सभी सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट के बैनर के तहत फिल्म बना रहे हैं।

अनीत पड्डा ने अहान पांडे के साथ सेलिब्रेट किया बर्थडे

नई दिल्ली। फिल्म 'सैयारा' फेम अनीत पड्डा ने मंगलवार को अपना 24वां जन्मदिन मनाया। पार्टी में उनके को-स्टार अहान पांडे, उनकी मां डियान पांडे और आलिया भट्ट शामिल हुईं। मंगलवार को 'सैयारा' के को-एक्टर आलम खान ने पार्टी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। हालांकि, आलम ने बाद में पोस्ट डिलीट कर दी, लेकिन फैन्स ने तस्वीरें सेव कर लीं और उन्हें ऑनलाइन शेयर की। पार्टी में घर को गुलाबी और हरे गुब्बारों से सजाया गया था।

अनीत ने छोटी पीली बॉडीकॉन ड्रेस पहनी थी। वहीं, अहान शिमरी काली शर्ट और काली जींस में नजर आए।

पार्टी की तस्वीरें सामने आने से पहले अहान पांडे ने अनीत को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी थीं। उन्होंने लिखा, "तुम ब्रह्मांड का तोहफा हो, अनीत। तुम जिस चीज को छूती हो, वह तारों की धूल में बदल जाती है। मेरी कामना है कि ब्रह्मांड हमेशा तुम्हारे साथ उतना ही नरम रहे, जितनी तुम उसके साथ रहती हो। यह कभी मत भूलना कि तुम अपने पीछे कितनी रोशनी छोड़ जाती हो। तुम्हें बहुत-बहुत जन्मदिन की शुभकामनाएं।"



अनीत ने अहान के बर्थडे विश का जवाब देते हुए लिखा, "तुम पूरी दुनिया के सबसे अच्छे इंसान हो। थैंक यू, मेरे अहान।"

गौरतलब है कि 'सैयारा' रिलीज होने के बाद से अनीत और अहान को कई मौकों पर साथ देखा गया है।

अनीत को अहान के परिवार के साथ भी देखा गया है। हाल ही में उन्होंने मुंबई में अहान की बहन अलाना पांडे के बेबी शॉवर में हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने अहान की कजिन अनन्या पांडे के साथ एक मजेदार गेम में भी हिस्सा लिया था। 'सैयारा' अहान पांडे की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म थी। इस फिल्म से अनीत को पहचान मिली।

घटना के बाद माही विज चिल्लाईं, प्रोमो में नकुल को घर से बाहर जाने के संकेत

'बिग बॉस' में नकुल ढुल गुल्लू के बीच हाथापाई

काजी तौकीर की टिप्पणी से शुरू हुआ विवाद

नई दिल्ली। टीवी शो बिग बॉस 20 के घर में दो कंटेस्टेंट्स नकुल ढुल और गुल्लू के बीच बहस के दौरान हाथापाई हो गई। माही विज इस दौरान चिल्लाती नजर आईं। यह विवाद काजी तौकीर की कथित टिप्पणियों से शुरू हुआ था।

वहीं, आज के एपिसोड के प्रोमो में नकुल को घर से बाहर भेजने के संकेत मिले। प्रोमो में कहा गया, "आज घर में एक अप्रिय वाकया हुआ। घर के सबसे अहम नियम का उल्लंघन हुआ।" हालांकि, मेकर्स ने अब तक नकुल को घर से बाहर निकालने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की थी।

नकुल और गुल्लू के बीच झगड़े के दौरान घरवाले दोनों को अलग करते हुए। वहीं, काजी तौकीर बैठे नजर आए।गुल्लू ने नकुल से पूछा कि वह मामला क्यों बढ़ा रहे हैं। इसके बाद दोनों के बीच बहस तेज हो गई।



दोनों के आमने-सामने बहस करते रहने के दौरान नकुल ने गुल्लू को धक्का दिया। बाकी घरवाले तुरंत वहां पहुंचे और दोनों को अलग करने की कोशिश की। झगड़े के दौरान नकुल ने यह भी कहा कि उसके भाई पहले गुल्लू से सामना करने के लिए गुरुग्राम गए थे। नकुल ने दावा किया कि गुल्लू तब भागकर गोवा चला गया था।

नकुल को ऑनलाइन मिट्ठू डॉन के नाम से भी जाना जाता है। वह टेलीविजन एक्टर मनीष गोयल के साथ बिग बॉस 20 में वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर शामिल हुए हैं। मामला तब शुरू हुआ, जब नकुल ने स्काउट OP से काजी की कथित टिप्पणियों के बारे में बात की। नकुल ने कहा कि काजी, स्काउट के कान में थूकने वाली घटना के बारे में बात कर रहे थे।

भारत में अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे [redacted]

सीजेपी को अमेरिका से फंडिंग मिल रही : हॉलीवुड सिंगर

आरोप

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

हॉलीवुड सिंगर मैरी मिलबेन ने कॉकरोच जनता पार्टी पर अमेरिका से फंडिंग मिलने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि PM नरेंद्र मोदी के विरोधी अमेरिकी डोनर्स अभिजीत दीपके को पैसा भेज रहे हैं।

उनके मुताबिक इस पैसे का इस्तेमाल भारत में अशांति फैलाने और सरकार के काम में रुकावट डालने के लिए किया जा रहा है। मिलबेन ने X पर पोस्ट कर भारत के युवाओं से आवाज उठाने की अपील की। उन्होंने लिखा, 'यह



चुप रहने का समय नहीं है।' मिलबेन ने फरवरी 2021 में किसान आंदोलन के दौरान मोदी सरकार के कृषि कानूनों का समर्थन करते हुए कहा था कि उन्हें किसानों की जिंदगी बेहतर बनाने के मोदी के विजन पर भरोसा है।

अगस्त 2023 में मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर भी उन्होंने मोदी का समर्थन किया था। उन्होंने उस समय कहा था कि भारत को अपने नेता पर भरोसा है और मोदी मणिपुर के लोगों की आजादी के लिए लड़ेंगे।

The Modi Question' की आलोचना करते हुए मोदी सरकार का समर्थन किया था। 2023 में आई इस डॉक्यूमेंट्री में 2002 के गुजरात दंगों के दौरान नरेंद्र मोदी की भूमिका पर सवाल उठाए गए थे।

मार्च 2024 में नागरिकता संशोधन कानून (CAA) लागू होने पर भी मिलबेन ने मोदी सरकार के फैसले की तारीफ की थी। लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने भारतीय मतदाताओं से मोदी को वोट देने की अपील भी की थी।

दीपके ने कहा था-

मोदी समर्थकों से एकजुट होने की अपील



मैरी मिलबेन ने जून 2023 में PM मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान भारत का राष्ट्रगान गाया था। इस दौरान उन्होंने मोदी के पैर भी छुए थे, जिसके बाद भारत में उनकी काफी चर्चा हुई।

भारत में भी सीजेपी फंडिंग पर उठे थे सवाल

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने दीपके की अमेरिका में पढ़ाई के खर्च पर सवाल उठाते हुए पूछा था कि क्या इसके पीछे अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस से जुड़ा कोई फाउंडेशन था।

वहीं, बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी विपक्ष और CJP पर विदेशी मदद से देश में अस्थिरता फैलाने की कोशिश का आरोप लगाया था।

इसके अलावा, अगस्त 2026 में RTI कार्यकर्ता अमित तिवारी ने दीपके की पढ़ाई के खर्च और CJP के कानूनी सहायता फंड की जांच की मांग की थी।

मिलबेन बोलीं- पीएम मोदी बाहरी ताकतों के आगे नहीं झुकेंगे

मिलबेन ने दावा किया कि कुछ US डोनर्स दुनियाभर के परंपरावादी नेताओं को निशाना बनाने का एक तय तरीका अपनाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया, 'वे उस देश से अमेरिका में पढ़े किसी व्यक्ति को ढूंढते हैं, उसे कट्टर बनाते हैं, वापस देश भेजते हैं और अराजकता व तबाही फैलाने के लिए फंड करते हैं।' मिलबेन ने प्रधानमंत्री मोदी के राजनीतिक सफर का बचाव करते हुए कहा कि वह 25 साल से सरकार में रहकर लोगों की सेवा कर रहे हैं और 12 साल से प्रधानमंत्री हैं। वह अमेरिका से आने वाली उन ताकतों के आगे नहीं झुकेंगे।

CJP का खर्च दोस्त मिलकर उठाते हैं

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके विदेशी फंडिंग के आरोपों को खारिज कर चुके हैं। CJP के आंदोलनों के खर्च पर दीपके ने कहा था कि वह और उनके दोस्त मिलकर पैसा जुटाते हैं।

विदेशी फंडिंग के आरोपों पर दीपके ने गृह मंत्री अमित शाह से भी सवाल किया था। उनका कहना था कि अगर आंदोलन में विदेशी पैसा आया है, तो इसकी जांच और रोकथाम की जिम्मेदारी गृह मंत्रालय की है।



6 जून 2026 को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान CJP के नेता अभिजीत दीपके।

10 अक्टूबर को हुए दिल्ली प्रदर्शन पर हार्वर्ड के दो बयान

दिल्ली में 10 अक्टूबर को हुए प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई पर हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्रों के दो समूहों ने अलग-अलग बयान जारी किए।

पहले समूह ने पुलिस पर प्रदर्शनकारियों के साथ बर्बरता, गैरकानूनी हिरासत और संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया। 12 अक्टूबर को जारी इस बयान पर 100 पूर्व छात्रों ने हस्ताक्षर किए थे।

वहीं, बुधवार को जारी दूसरे बयान पर 44 लोगों के हस्ताक्षर हैं। खुद को 'हार्वर्ड कम्युनिटी' बताने वाले इस समूह ने भारत की संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ कथित अभियान पर चिंता जताई।

फास्ट न्यूज

थाईलैंड की नई सियासी पहचान

बैंकॉक। थाईलैंड की राजनीति में जहां महंगी और ब्रांडेड घड़ियों का शौक पुराना रहा है, वहीं इन दिनों एक अनोखा ट्रेंड चर्चा में है। यहां प्रधानमंत्री की तरफ उपहार में दी जाने वाली करीब 60 डॉलर यानी 5600 रुपये से भी कम कीमत की 'कैसियो' घड़ी राजनेताओं और मंत्रियों के बीच सत्ता की नजदीकी का सबसे बड़ा प्रतीक बन गई है। इस घड़ी की नई पहचान के मामले को ऐसे मसझिए कि रेट्रो-फ्यूचरिस्टिक डिजाइन वाली इस डिजिटल घड़ी मॉडल Casio AE1200WH पर थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल का नाम खुदा हुआ है।

फेसबुक पर टिप्पणी करने वाले श्रीलंकाई नागरिक की मौत की सजा रद

रियाद। सऊदी अरब की सुप्रीम कोर्ट ने फेसबुक के किसी पोस्ट पर टिप्पणी करने के लिए एक प्रवासी कर्मचारी को सुनाई गई मौत की सजा को रद्द कर दिया है। ये जानकारी कोलंबों के उप-विदेश मंत्री अरुण हेमाचंद्र ने दी है। मामला सऊदी अरब की अपील कोर्ट का है, जहां पर 27 साल के अनोझन शिवरासा को मौत की सजा सुनाई गई थी। कोर्ट ने सितंबर में उन्हें अपनी टिप्पणी में इस्लाम और पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ ईशनिंदा का दोषी ठहराया था। इस मामले के सामने आते ही श्रीलंका में हलचल मच गई। इसके साथ ही वहां सजा के खिलाफ माफी की कोशिश तेज हो गई।

एक दशक के लंबे इंतजार के बाद खुलेगा चीन-उत्तर कोरिया को जोड़ने वाला नया पुल

बीजिंग। चीन और उत्तर कोरिया को आपस में जोड़ने वाला नया 'यालू नदी पुल' एक दशक से अधिक समय की देरी के बाद कल यानी गुरुवार को यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। दोनों देशों के बीच मजबूत होते रणनीतिक और आर्थिक संबंधों के बीच चीनी शहर डांडोंग को उत्तर कोरिया के सिनुइजू शहर से जोड़ने वाले इस पुल की लंबाई 3 किलोमीटर है।

10 ग्राम की कीमत तीन दिन में 3 हजार कम हुई

नई दिल्ली, एजेंसी



सोना की कीमतों में आज यानी 14 अक्टूबर को लगातार तीसरे दिन गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,272 रुपए गिरकर 1.46 लाख विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।

अमेरिका के केंद्रीय बैंक 'फेडरल रिजर्व' ने 3 साल में पहली बार ब्याज दरें बढ़ाई है। इससे सोने के दाम में गिरावट है।

अमेरिका-ईरान जंग और आर्थिक अनिश्चितता के कारण सोने को सपोर्ट मिल सकता है निवेशक सोने को सुरक्षित निवेश के रूप में फिर चुन सकते हैं। निवेशकों को सतर्क रहना चाहिए क्योंकि बाजार में अब भी कमजोरी के संकेत दिख रहे हैं। किसी भी बड़ी गिरावट पर खरीदारी का मौका भी बन सकता है।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

टीवी के पीछे रिकॉर्डर लगाया था, एआई की मदद से सऊदी नागरिक की पहचान

आपन एआई ऑफिस में जासूसी की कोशिश करने वाला गिरफ्तार

35 साल के अलफोजान अमेरिका में स्थायी रूप से रहने की अनुमति रखता है। वह जुलाई 2025 में ओपन एआई से जुड़ा था।

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी

अमेरिकी कंपनी OpenAI के सैन फ्रांसिस्को ऑफिस में जासूसी की कोशिश करने वाले कर्मचारी को FBI ने गिरफ्तार कर लिया है। कर्मचारी ने कॉन्फ्रेंस रूम में टीवी के पीछे रिकॉर्डिंग डिवाइस छिपा दिया था। डिवाइस मिलने के बाद OpenAI ने AI मॉडल के जरिए आरोपी को पकड़ा। इसके बाद उसे 9 अक्टूबर को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान सऊदी नागरिक अब्दुलरहमान अलफोजान के रूप में हुई है। कंपनी के मुताबिक अलफोजान ने 28 सितंबर को USB पोर्ट में रिकॉर्डर लगाया था। इसे छिपाने के लिए टॉयलेट पेपर का इस्तेमाल किया गया था।

2 दिन बाद कर्मचारियों को सुरक्षा



जांच के दौरान यह डिवाइस मिला था। डिवाइस में माइक्रोफोन, कैमरा सेंसर और डेटा स्टोर करने के लिए माइक्रो SD कार्ड था। डिवाइस में रिकॉर्डिंग इन्क्रिप्टेड थी, इसलिए उसे सुना नहीं जा सका है। अमेरिकी न्याय विभाग के मुताबिक, दोष साबित होने पर उन्हें 5 साल तक की जेल, 2.5 लाख डॉलर (करीब 2.3 करोड़ रुपए) तक का जुर्माना और तीन साल तक निगरानी में रहने की सजा हो सकती है। OpenAI ने कहा कि फिलहाल उसे ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है, जिससे पता चले कि अलफोजान ने कंपनी के AI मॉडल के मूल डेटा, सोर्स कोड या ग्राहकों की जानकारी तक गलत तरीके से पहुंच बनाई या उसे बाहर भेजा। कंपनी ने घटना के बाद उन्हें नौकरी से निकाल दिया।

एआई चैटबॉट से डिवाइस बनाने में मदद ली

FBI अधिकारियों का आरोप है कि अलफोजान ने डिवाइस लगाने की तैयारी पहले से कर रखी थी। उसने कंपनी के मीटिंग रूम, अधिकारियों के आने-जाने के समय और दूसरी कंपनियों के साथ होने वाली बैठकों की जानकारी जुटाई थी।

उसने अपनी पत्नी के AI चैटबॉट अकाउंट पर कई सवाल पूछे थे। इनमें डिवाइस कैसे बनाना है, उसे कहां और कैसे लगाना है, उससे आवाज रिकॉर्ड हो रही है या नहीं, उसे कैसे छिपाना है और दूर से उसका इस्तेमाल कैसे करना है, जैसे सवाल शामिल थे। जिस मीटिंग रूम में यह डिवाइस लगाया गया था, वहां OpenAI के अधिकारी कंपनी से जुड़े अहम मामलों पर चर्चा करते थे।



जांच में टीवी के पीछे USB पोर्ट में लगा डिवाइस मिला।

अलफोजान वेंचर कैपिटल फर्म राएद वेंचर्स में भी वेंचर पार्टनर हैं। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक, OpenAI में वे इंजीनियरिंग लीड था और AI एजेंट्स और डेटा प्लेटफॉर्म पर काम करता था। इससे पहले अलफोजान मेटा, माइक्रोसॉफ्ट और जर्मनी की एक सॉफ्टवेयर कंपनी SAP में भी काम कर चुका है। उसने MIT से कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है।

अमेरिका के जरिए नेतन्याहू ने मदद का मैसेज भेजा, सऊदी ने इनकार किया

इजराइल हूती विद्रोहियों के खिलाफ क्यों लड़ना चाहता है

तेल अवीव/ रियाद, एजेंसी

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सऊदी अरब से हूतियों के खिलाफ लड़ाई में इजराइल को शामिल करने की इजाजत मांगी है।

इजराइली अखबार हारेत्ज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू ने यह प्रस्ताव अमेरिका के जरिए सऊदी अरब को भेजा है।

हालांकि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने इसका विरोध किया है। उन्हें डर है कि इजराइली सेना के इसमें शामिल होने से सऊदी अरब की नाराज हो सकती है।

हारेत्ज के मुताबिक इजराइल के हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ने में दिलचस्पी होने की 3



अहम वजहें हैं।

सऊदी लंबे समय से हूतियों को सुरक्षा चुनौती मानता है। इजराइल सऊदी की मदद कर क्षेत्र की एक बड़ी अरब शक्ति के साथ सैन्य तालमेल भी बढ़ा सकता है। हालांकि, इसके खतरे भी हैं।

सऊदी अरब से जुड़े सैन्य अभियानों में इजराइली सेना की भागीदारी पर देश के अंदर और पूरे अरब जगत में विरोध हो सकता है। ईरान का विरोध करने के बावजूद सऊदी अरब और इजराइल के बीच राजनयिक संबंध नहीं हैं। ट्रम्प कई बार सऊदी अरब से इजराइल के साथ दोस्ती करने की अपील कर चुके हैं। इसके लिए



ईरान को कमजोर करना

ईरान और हूती विद्रोहियों के बीच लंबे समय से संबंध हैं। सऊदी अरब और अमेरिका आरोप लगाते रहे हैं कि ईरान हूतियों को हथियार, ट्रेनिंग और तकनीकी मदद देता है। इससे हूती ड्रोन और मिसाइलों से हमले करने में सक्षम हुए हैं। इसी वजह से हूती इजराइल और मिडिल ईस्ट कई देशों के लिए बड़ा सुरक्षा खतरा बन चुके हैं। हूतियों ने लाल सागर और बाब अल-मंदेब के आसपास जहाजों पर हमले किए हैं। उन्होंने ईरान के साथ जारी तनाव के बीच इजराइल को भी निशाना बनाया है। इसलिए इजराइल इस सैन्य अभियान में शामिल होकर हूतियों को कमजोर करना चाहता है।

सऊदी अरब यमन में सक्रिय हूती विद्रोहियों के खिलाफ जंग लड़ रहा है। इजराइल को उम्मीद है कि सऊदी अरब की मदद करने से दोनों के संबंध मजबूत होंगे। इससे आगे चलकर दोनों के बीच राजनयिक संबंध बनाने का मौका भी बन सकता है।

अमेरिका ने अब्राहम समझौते का रास्ता भी सुझाया है।

2020 में इस समझौते के तहत UAE और बहरीन समेत कई अरब देशों ने इजराइल के साथ अपने संबंध सामान्य किए थे। हालांकि सऊदी अरब का कहना है कि वह इजराइल से रिश्ते तभी ठीक करेगा, जब फिलिस्तीन मुद्दे का सामाधान होगा।

ओपन एआई के दफ्तर में जासूसी करने वाला सऊदी इंजीनियर बर्खास्त

वाशिंगटन, एजेंसी

AI की दुनिया की दिग्गज कंपनी OpenAI के एक कार्यालय से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। कंपनी के सैन फ्रांसिस्को स्थित ऑफिस के एक कॉन्फ्रेंस रूम में सीक्रेट रिकॉर्डिंग डिवाइस मिलने के बाद हड़कंप मच गया है। इस मामले में फेडरल अधिकारियों ने 35 वर्षीय सऊदी नागरिक और OpenAI के इंजीनियरिंग लीड अब्दुल रहमान अलफोजान को गिरफ्तार किया है। FBI की रिपोर्ट के मुताबिक, 30 सितंबर को Open AI की तकनीकी निगरानी टीम ने एक कॉन्फ्रेंस रूम में टेलीविजन के पीछे यूएसबी पोर्ट से जुड़ा हुआ एक छिपा हुआ ऑडियो-रिकॉर्डिंग डिवाइस खोज निकाला। यह डिवाइस इस तरह छिपाया गया था कि आसानी से नजर न आए और इसमें एडवांस एन्क्रिप्शन, ऑडियो-मॉनिटरिंग और डेटा ट्रांसफर करने की क्षमता थी। इस बात की जानकारी Open AI ने बयान जारी



कर एक्स पर दी। जारी एक बयान में बताया गया कि कंपनी ने इस डिवाइस का पता लगाने और यह किसने लगाया है, यह जानने के लिए अपने खुद के एआई मॉडल्स का इस्तेमाल किया। जांच में सामने आया कि इस डिवाइस को कुछ दिन पहले ही एक कर्मचारी ने वहां प्लांट किया था। इसके साथ ही OpenAI ने स्पष्ट किया है कि आरोपी कर्मचारी को तुरंत नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। कंपनी ने राहत की सांस लेते हुए कहा कि शुरुआती जांच में ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि इस व्यक्ति ने मॉडल वेट्स, सोर्स कोड या किसी ग्राहक के डेटा तक अवैध रूप से पहुंच बनाई हो या कोई डेटा लीक किया हो।

नुकसान : रिश्ते सुधारने का मौका गंवाया, भारत ने न्यौता दिया था लेकिन पीएम रहमान नहीं आए

ब्रिक्स समिट छोड़ने से बांग्लादेश को नुकसान : शेख हसीना

ढाका/नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने कहा कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान के BRICS समिट में शामिल न होने से बांग्लादेश को नुकसान हुआ।

हसीना ने PTI को दिए इंटरव्यू में बुधवार को कहा कि रहमान के फैसले के चलते बांग्लादेश ने भारत के साथ रिश्ते सुधारने का मौका भी गंवा दिया।

12-13 सितंबर को नई दिल्ली में BRICS समिट हुई थी। भारत ने रहमान को समिट में आने का न्योता दिया था, लेकिन वे नहीं पहुंचे थे।

हसीना ने कहा कि अगर उनके भारत में रहने की वजह से तारिक



रहमान भारत नहीं आए, तो यह दुख की बात है। दो देशों के रिश्ते किसी एक व्यक्ति या राजनीतिक मतभेदों के आधार पर तय नहीं होने चाहिए। इसके बाद 3 नवंबर को ढाका की सेंट्रल जेल में चार बड़े नेताओं की भी हत्या हुई।

हसीना ने जियाउर रहमान पर गलत तरीके से सत्ता में आने का आरोप लगाया। हसीना ने दावा किया कि बांग्लादेश इस समय बड़े संकट से गुजर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में लोकतंत्र कमजोर हुआ है और विरोधी दलों को अपनी बात रखने के मौके नहीं मिल रहे हैं। हसीना ने बांग्लादेश लौटने की कोई तारीख नहीं बताई। लेकिन उन्होंने कहा कि वह देश लौटकर लोकतंत्र बहाल करने की लड़ाई में शामिल होना चाहती हैं।



हसीना बोलीं- बातचीत के रास्ते खोलना सरकार की जिम्मेदारी

हसीना ने कहा कि BRICS सिर्फ नेताओं की बैठक नहीं है। इसमें दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं शामिल होती हैं। समिट में शामिल होकर बांग्लादेश दूसरे देशों से सीख सकता था। लेकिन सरकार ने यह मौका गंवा दिया। उन्होंने कहा कि एक जिम्मेदार सरकार को देश के लिए दूसरे देशों से बातचीत और आगे बढ़ने के नए रास्ते खोलने चाहिए, न कि उन्हें बंद करना चाहिए।

रहमान के पिता के भारत दौरे का जिक्र किया

हसीना ने 1979 में बांग्लादेश के तत्कालीन राष्ट्रपति और तारिक रहमान के पिता जियाउर रहमान के भारत दौरे का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उस समय वह दिल्ली में रह रही थीं।

हसीना के मुताबिक, 1980 में जब जियाउर रहमान लंदन गए, तब भी वह वहीं थीं। इसके बावजूद उनकी मौजूदगी ने जियाउर रहमान के दौरे में कोई रुकावट नहीं डाली। हसीना ने कहा कि 15 अगस्त 1975 को उनके पिता और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान समेत परिवार के कई सदस्यों की हत्या कर दी गई थी।

थोक महंगाई 5 महीने में सबसे ज्यादा खाने-पीने की चीजें महंगी होने का असर

नई दिल्ली, एजेंसी

थोक महंगाई सितंबर में बढ़कर 11.39% पहुंच गई है। सरकार ने आज, 14 अक्टूबर को ये आंकड़े जारी किए। यह पांच महीने में सबसे ज्यादा है। अगस्त में यह 9.92% थी। थोक महंगाई बढ़ने की वजह खाने-पीने की चीजें, फ्यूल, पावर और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स का महंगा होना है। सितंबर में रिटेल महंगाई भी बढ़कर 5.54% पर पहुंच गई है। अगस्त में यह 4.82% थी।

थोक महंगाई दर 11.39% होने का मतलब यह है कि जो सामान पिछले साल इस समय थोक बाजार में 100 का मिल रहा था, वह आज लगभग 111.39 का है।

ये आंकड़े नए बेस ईयर के मुताबिक हैं। सरकार ने 15 जून 2026 को WPI का नया बेस ईयर 2022-23 लागू किया था। इसने पुरानी 2011-12 की सीरीज की जगह ली है।

कुल थोक महंगाई में बड़ी बढ़तः सितंबर महीने में थोक महंगाई दर



बढ़कर 11.39% पर पहुंच गई, जो कि अगस्त में 9.92% दर्ज की गई थी। खाने-पीने की चीजों में तेजीः खाद्य पदार्थों की महंगाई दर अगस्त के 7.05% के आंकड़े से उछलकर सितंबर में 8.66% दर्ज हुई।

ईंधन व बिजली क्षेत्र में उछालः फ्यूल और पावर सेक्टर में महंगाई दर अगस्त के 22.93% से तेजी से बढ़कर 25.85% पर पहुंच गई।

कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरीः प्राइमरी आर्टिकल्स (कच्चा सामान) की महंगाई दर अगस्त के 7.76% से बढ़कर सितंबर में 8.67% हो गई।

कारखानों के निर्मित सामान महंगेः मैन्युफैक्चर्ड प्रॉडक्ट्स की महंगाई दर अगस्त के 8.37% से बढ़कर 9.76% हो गई।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96